महंगाई के विरुद्ध कांग्रेस की हल्ला बोल रैली में आंकड़े देते हुए एक जगह राहुल गांधी की जुबान फिसल गई लेकिन उन्होंने तुरंत ही सुधार कर लिया। बाद में उनके भाषण का जुबान फिसलने वाला अंश ही इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 262 दिनांक:05-09-2022 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन सायरस मिस्त्री की मुंबई के पालघर में सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। यह सड़क हादसा मुंबई से सटे पालघर में हुआ। दुर्घटना के बाद साइरस मिस्त्री को आनन फानन में अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सुरसा के मुंह सी बढ़ती महंगाई के खिलाफ दिल्ली में कांग्रेस की हल्लाबोल रैली

-वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने केंद्र की मोदी सरकार को घेरा, कहा गरीबों की चिंता नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की राजधानी दिल्ली के प्रसिद्ध रामलीला मैदान में रविवार आज कांग्रेस ने आसमान छूती महंगाई पर 'हल्ला बोल रैली' का आयोजन किया है। इसे लेकर दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान के आसपास और राजधानी के अन्य इलाकों सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। रविवार सुबह 11 बजे से शुरू हुई इस रैली को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, केंद्र सरकार को गरीबों की कोई चिंता नहीं, लेकिन देश पर शासन करने वाले लोग जब तक जागेंगे नहीं, कांग्रेस भी चुप बैठने वाले नहीं है। इस सरकार को सबक सिखाना ही होगा। हल्ला बोल करते रहेंगे, जब तक महंगाई कम नहीं होती। मोदी जी के दो भाई, बेरोजगारी और महंगाई। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आज आम आदमी बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रहा है। किसानों और जवानों के राज्य हरियाणा का हाल भी बेहाल, दोनों को ही सम्मान नहीं मिल रहा है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, हमारी पार्टी के सिपाहियों ने जिस जोश के साथ रामलीला मैदान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, उससे पता चलता है अब दिल्ली दूर नहीं।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा, हमारे सामने एक ही लड़ाई है कि किस रास्ते पर देश चलेगा। देश और कांग्रेस की संस्कृति जोड़ने की संस्कृति है। आंबेडकर का संविधान गलत हाथों में चला जाए तो देश कहां चला जाएगा। आज हमारे सामने यह चुनौती है कि हम जोड़ने की संस्कृति को कैसे बचाए रखें, जीवित रखें।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, हम लगभग एक साल से महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। आज भी महंगाई पर विशाल रैली है। जनता को सबसे ज्यादा चिंता महंगाई की है। खाद्य पदार्थों पर जिस तरह से जीएसटी लगाई गई है, उससे महंगाई बढ़ी है। महंगाई के साथ बेरोजगारी भी बढ़ रही है। मंच पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल सहित दिल्ली और राष्ट्रीय स्तर के कई नेता मौजूद हैं। इसके अलावा दिल्ली के लिए देशभर से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता रामलीला मैदान पहुंचे हैं। कांग्रेस की ओर से रैली निकालकर महंगाई व बेरोजगारी के खिलाफ विरोध किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी कुछ देर में रामलीला मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी के अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व छत्तीसगढ़ भूपेश बघेल और अन्य नेता रैली को संबोधित करेंगे। इससे पहले शनिवार को केसी वेणुगोपाल, जय राम नरेश, अजय माकन, शक्ति सिंह गोहिल सहित कांग्रेस के कई नेताओं ने रैली स्थल पर पहुंचकर तैयारियों को जायजा लिया।

इस दौरान कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा, राहुल गांधी महंगाई, बेरोजगारी और अन्य मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। रामलीला मैदान और आसपास के इलाके को कांग्रेस नेताओं की होर्डिंग और बैनर से सजाया गया है। साथ ही नेताओं के भाषण सुनने में लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए मौके पर बड़ी-बड़ी स्क्रीन भी लगाई गई है। वहीं अनिल चौधरी ने कहा, रैली को सफल बनाने के लिए पिछले कई दिनों से कार्यकर्ता काम कर रहे हैं। कई राज्यों से कार्यकर्ता शनिवार शाम से ही राजधानी पहुंचने लगे हैं। उनकी सहायता के लिए दिल्ली कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर मुस्तैद किया गया है।

देश के हवाई अड्डों पर कम होगी CISF सुरक्षाकर्मियों की संख्या, इनकी जगह होगी निजी कर्मियों की नियुक्ति

नई दिल्ली। देश में लगभग 1.63 लाख कर्मियों वाले मजबूत [illegible] के राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा बल में 3 हजार से अधिक पदों को समाप्त कर दिया गया है। भारतीय हवाई अड्डों पर असंवेदनशील काम के लिए इन पदों की नियुक्ति के स्थान पर अब हाइटेक सुरक्षा निगरानी वाली मशीनों और निजी सुरक्षा कर्मियों द्वारा काम लिया जाएगा। समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार, 2018-19 में शुरू हुई यह कार्य योजना नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ-साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन और गृह मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से 50 नागरिक हवाई अड्डे समेत पूरे देश में लागू की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के अनुसार, विमानन सुरक्षा नियामक बीसीएएस द्वारा तैयार किया गया खाका कुल 3,049 सीआईएसएफ विमानन सुरक्षा पदों को समाप्त करेगा, जिनके स्थान पर 1,924 निजी सुरक्षा कर्मियों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा और सीसीटीवी कैमरों और बैगेज स्कैनर जैसी स्मार्ट निगरानी तकनीक को प्रयोग में लाया जाएगा।

एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि नए सुरक्षा ढांचे से विमानन क्षेत्र में 1,900 से अधिक नौकरियों का सृजन होता है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि निजी सुरक्षा कर्मियों को दिल्ली, मुंबई और अन्य हवाई अड्डों पर गैर-संवेदनशील ड्यूटी के लिए तैनात किया जा रहा है। इन ड्यूटी में जैसे कतार प्रबंधन, एयरलाइंस के कर्मचारियों और यात्रियों को सुरक्षा सहायता और टर्मिनल क्षेत्र के भीतर कुछ प्रवेश और निकास बिंदुओं पर काम कराना शामिल है।

अधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि हवाई अड्डे पर यात्रियों प्रवेश के समय उनकी जानकारी की जांच, यात्रियों की तलाशी, सेकेंडरी लैडर प्वाइंट जांच और हवाई अड्डों को आतंकवाद रोधी कवर मुहैया कराने के मुख्य कार्य को जारी रखेगा। सीआईएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में 65 नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा के लिए तैनात विमानन सुरक्षा समूह (एएसजी) के 33,000 पदों में से कुल 3,049 पद समाप्त किए गए हैं, जिनके स्थान पर 1,924 निजी सुरक्षा कर्मी रखे जाएंगे, जबकि शेष 1,125 पदों का उपयोग किया जा रहा है।

साइरस मिस्त्री की सड़क दुर्घटना में मौत पर पीएम सहित कई बड़े नेताओं ने दुख जताया

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की महाराष्ट्र के पालघर में रविवार को हुई एक सड़क दुर्घटना में मौत पर पीएम मोदी समेत कई बड़े नेताओं ने दुख जताया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, ठ साइरस मिस्त्री का असामयिक निधन स्तब्ध करने वाला है। वो एक होनहार व्यवसायी लीडर थे, जो भारत की आर्थिक शक्ति में विश्वास करते थे। उनका निधन वाणिज्य और उद्योग जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। उनके परिवार और मित्रों के लिए संवेदनाएं। उनकी आत्मा को शांति मिलेठ

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट कर कहा, ठ पालघर के पास एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष साइरस मिस्त्री के निधन के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। उनकी निधन से गहरा दुख हुआ। उनके परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। डीजीपी से बात कर विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैंठ

इधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, ठ टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री के निधन की खबर से दुखी हूं। वह देश के सबसे प्रतिभाशाली व्यापारियों में से थे, जिन्होंने भारत की विकास गाथा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाठ

साइरस मिस्त्री के निधन के संबंध में जानकारी देते हुए पालघर जिले के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल ने कहा, ''दुर्घटना अपराह्न लगभग 3।15 बजे हुई। मिस्त्री अहमदाबाद से मुंबई की ओर जा रहे थे। यह हादसा सूर्या नदी पर बने पुल पर हुआ। ऐसा लग रहा है कि यह एक दुर्घटना है।''

इस हादसे में मिस्त्री के साथ यात्रा कर रहे दो अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें कार चालक भी शामिल है। सभी घायलों को गुजरात के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि घायलों से हादसे के बारे में अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश की जाएगी।

कासा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि हादसा कासा थाना क्षेत्र में सूर्या नदी पुल पर चरोटी नाका में हुआ। मिस्त्री के शव को पोस्टमार्टम के लिए कासा ग्रामीण अस्पताल भेज दिया गया है।

इसरो ने नई तकनीक का किया प्रदर्शन मंगल और शुक्र मिशन के लिए काफी अहम

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने 'इन्फ्लेटेबल एरोडायनामिक डिसेलेरेटर की एक ऐसी नई तकनीक का शनिवार को सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया, जो मंगल और शुक्र सहित भविष्य के कई मिशन में उपयोगी साबित हो सकती है। इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र द्वारा बनाए और विकसित किए एक आईएडी का 'थुंबा इक्वेटोरियल रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र' टीईआरएलएस से 'रोहिणी' परिज्ञापन रॉकेट से सफलतापूर्वक प्रायोगिक प्रक्षेपण किया गया। इसरो के अनुसार, आईएडी को शुरू में मोड़ा गया और रॉकेट के पेलोड बे के अंदर रखा गया। उसने बताया कि लगभग 84 किलोमीटर की ऊंचाई पर आईएडी को फुलाया गया था और यह रॉकेट के पेलोड हिस्से के साथ वायुमंडल में नीचे उतरा। उसने बताया कि इसे फुलाने की प्रणाली इसरो के तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) ने विकसित की है। आईएडी ने वायुगतिकीय कर्षण के माध्यम से पेलोड के वेग को व्यवस्थित रूप से कम कर दिया और यह अपने अनुमानित मार्ग पर चला। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा, 'आईएडी में रॉकेट के खर्च चरणों की वसूली समेत अंतरिक्ष क्षेत्र में कई प्रकार से इस्तेमाल किए जाने की अपार संभावना है। इसे मंगल या शुक्र पर पेलोड उतारने और मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए अंतरिक्ष पर ठिकाना बनाने के क्षेत्र में इस्तेमाल किए जाने की काफी संभावनाएं हैं।

गुलाम नबी बोले- जो सवाल नरसिम्हा राव और केसरी से किए वो सोनिया-राहुल गांधी से नहीं पूछे गए

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस इन दिनों अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने का सिलसिला जारी है। पार्टी छोड़ चुके गुलाम नबी आजाद और उनकी पुरानी पार्टी के नेताओं की ओर से एक दूसरे पर कई आरोप लगाए जा रहे हैं। गुलाम नबी आजाद की ओर से राहुल गांधी की कार्यशैली को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

अपने एक इंटरव्यू में गुलाम नबी आजाद ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष रहते पीवी नरसिम्हा राव और सीताराम केसरी से जो सवाल किए वो कभी सोनिया गांधी और राहुल गांधी से नहीं किए। उन्होंने कहा कि पीवी नरसिम्हा राव निसंदेह अच्छे प्रधानमंत्री थे लेकिन बतौर पार्टी अध्यक्ष वो असफल थे। उनकी संगठन में रुचि नहीं थी जिसका खामियाजा पार्टी को भी उठाना पड़ा। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि वो इस बात को शुरू में अकेले उठाते थे लेकिन बाद में कई और नेता इसमें शामिल हुए।

गुलाम नबी आजाद ने कहा कि नरसिम्हा राव जब पार्टी के अध्यक्ष थे उनकी संगठन में कोई रुचि नहीं रहती। शुरू-शुरू में इस बात को मैं अकेला उठाता था। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी भी सरकार और पार्टी दोनों चलाते थे। पब्लिक मीटिंग के अलावा भी लोगों से मिलते थे। इन दोनों से किसी को शिकायत भी नहीं रहती न संगठन में और न ही सरकार में। वो सिलसिला खत्म हो गया जब नरसिम्हा राव पीएम बने।

वो बड़े बुद्धिमान थे, कई भाषा जानते थे और उस मामले में उनका कोई जवाब नहीं। आर्थिक सुधार की बात की जाए तो इसमें वो बेहतर प्रधानमंत्री साबित हुए लेकिन दुर्भाग्य से संगठन में उनकी कोई रुचि नहीं थी। जिसकी वजह से हर वर्किंग कमेटी में यह बात उठाते थे। शुरू-शुरू में मैं इस बात को उठाता था बाद में राजेश पायलट, शरद पवार, माधव राव सिंधिया और नेता भी जुड़ गए। हर वर्किंग कमेटी जो 3 महीने बाद होती है उसमें यह बात उठाई गई कि आप संगठन को नजअंदाज कर रहे हैं। आप अध्यक्ष पद से हट जाइए। एक साल तक उन्होंने इस मामले को टरकाया। फिर हमने कहा कि वर्किंग प्रेसिडेंट बनाइए तो उन्होंने कहा कि नाम दो। हमने शर्त रखी कि वर्किंग प्रेसिडेंट वही बनेगा जो मंत्रालय छोडेगा। एक साल उसमें भी उन्होंने निपटाया फिर हमने कहा उपाध्यक्ष बना दो। उन्होंने नाम मांगे उसमें भी वक्त निकल गया। उसके बाद तब तक चुनाव आ गया और चुनाव हार गए।

चुनाव हारने के बाद जो पहली वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई उसमें हम लोगों ने निर्णय लिया कि इनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाए। वोट ऑफ नो कॉन्फिडेंस का ड्राफ्ट बना जिसमें यह बात थी कि आप बेस्ट पीएम थे लेकिन बतौर अध्यक्ष बहुत ही खराब। ड्राफ्ट पढ़ेगा कौन इसको लेकर कोई साहस नहीं कर रहा था तो मैंने पढ़ना शुरू किया। बताया कि पीएम आप अच्छे थे देश के विकास के लिए कई काम किए। आर्थिक सुधार लाने की दिशा में कई काम किए लेकिन आप कांग्रेस अध्यक्ष अच्छे साबित नहीं हुए हैं। आपकी पार्टी में कोई रुचि नहीं है। जिस वजह से पार्टी को नुकसान हुआ। सरकार के अच्छे काम की बात जनता तक नहीं पहुंची। संगठन कमजोर था जिसकी वजह से हार हुई। ये इल्जाम मैंने लगाए और कहा कि आप पद छोड़ दें तत्काल। सीताराम केसरी जी भी आए उसके बाद। इन दोनों से

भारत को निर्धारित अवधि में प्राप्त होगा एस-400 मिसाइल सिस्टम : अलीपोव, रूसी राजदूत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और रूस के प्रगाढ़ रिश्तों को कायम रखने दोनों देश तत्पर रहते हैं। दोनों देश रक्षा सहयोग में उत्पन्न बाधाओं को कम करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहा है। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि रूस द्वारा भारत को एस-400 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति निर्धारित समय के अनुसार सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है और दोनों पक्ष रक्षा क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक दूसरे के साथ हैं।

अलीपोव की टिप्पणी तब आई है, जब कहा जा रहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण सैन्य प्रणालियों और उपकरणों की आपूर्ति में देरी हो सकती है। अलीपोव ने कहा, 'रक्षा सहयोग रूसी-भारतीय विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख स्तंभों में से एक है। हमारे दोनों देश यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत प्रेरित हैं कि यह निर्बाध बना रहे।' उन्होंने कहा, 'हम नकारात्मक बाहरी कारकों द्वारा बनाई गई बाधाओं को सफलतापूर्वक कम करने और वैकल्पिक भुगतान और रसद विकल्पों का उपयोग करके नई वास्तविकताओं को समायोजित करने में कामयाब रहे।'

एस-400 मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति के बारे में पूछे जाने पर अलीपोव ने कहा, 'यह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है।' अक्टूबर 2018 में, भारत ने एए-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों की 5 इकाइयों को खरीदने के लिए रूस के साथ 5 बिलियन अमेरिकी डालर के समझौते पर हस्ताक्षर किया था। रूस ने पिछले साल दिसंबर में मिसाइल की पहली खेप के साथ डिलीवरी शुरू की और इसे उत्तरी सेक्टर में चीन के साथ सीमा के कुछ हिस्सों के साथ-साथ पाकिस्तान के साथ सीमा को कवर करने के लिए तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, जल्द ही रूस से दूसरी खेप की डिलीवरी हो सकती है क्योंकि रूस ने डिलीवरी की तैयारी लगभग पूरी कर ली है।

महंगाई के खिलाफ हल्लाबोल रैली में राहुल गांधी का सीधा पीएम मोदी पर अटैक

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस महंगाई के खिलाफ 'हल्लाबोल रैली' कर रही है। इस मौके पर कांग्रेस के लगभग सभी वरिष्ठ नेता रामलीला मैदान में पहुंचे। इस रैली में राहुल गांधी को बड़े चेहरे के तौर पर पेश किया गया है। बता दें कि हाल ही में कांग्रेस में अध्यक्ष पद को लेकर भी बहस छिड़ी हुई है। 17 अक्टूबर को चुनाव होना है। इससे पहले ही जयराम रमेश समेत कई नेता कह चुके हैं कि वे राहुल गांधी को अध्यक्ष रूप में देखना चाहते हैं। अब इस हल्लाबोल रैली से भी यही नजर आ रहा है कि कांग्रेस राहुल गांधी के लिए पिच तैयार कर रही है। संभव है कि 2024 आम चुनाव के लिए यह बड़ी तैयारी हो और यहीं से आगे के मुद्दे तय हो जाएं। राहुल गांधी ने रैली में सीधा प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेते हुए कहा कि वह देश में घृणा फैला रहा है। इससे हमारे देश के दुश्मनों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस मिलकर देश में डर और घृणा का माहौल बना रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि जो भी मोदी के खिलाफ बोलता है उसे 55 घंटे के लिए ईडी ऑफिस में बैठना पड़ता है। लेकिन मैं प्रधानमंत्री जी को बताना चाहता हूं कि मुझे ईडी से डर नहीं लगता। रैली में पीएम मोदी पर सीधा अटैक यही दिखाता है कि राहुल गांधी को कांग्रेस अपने चेहरे के रूप में आगे कर सकती है। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में भी मुख्य चेहरे के रूप में आगे आ रहे हैं। राहुल गांधी ने इसका जिक्र करते हुए कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' बहुत अहम है क्योंकि हम सीधा लोगों से मिलते हैं और उन्हें सच बताते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आजकल विपक्ष का आवाज उठाना भी मुश्किल हो गया है। संसद में मोदी सरकार हमें बोलने नहीं देती है। राहुल गांधी ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है और इसी वजह से घृणा भी बढ़ रही है। यह देश को कमजोर कर रही है। राहुल ने आरोप लगाया कि देश में केवल दो उद्योगपतियो को फायदा मिल रहा है और भाजपा उन्हीं के लिए काम कर र ही है। राहुल गांधी ने कृषि कानूनों के लिए कहा कि ये तीनों कानून उद्योगपतियों के लिए लाए गए थे। किसानों की ताकत ने इन कानूनों को वापस लेने पर मजबूर कर दिया। हिंदुस्तान में आम नागरिक मुश्किल में हैं, देश का नुकसान हो रहा है। 70 साल में कांग्रेस ने ऐसी महंगाई कभी नहीं दिखाई। सिर्फ कांग्रेस ही देश को बचा सकती है।

कांग्रेस के 'भारत जोड़ो यात्रा' अभियान को भाजपा भ्रष्टाचार और वंशवाद से जोड़ घेरेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के पहले ही कई शीर्ष कांग्रेसियों के पलायन किया तो कांग्रेस ने उन्हें नकली कांग्रेसी करार दिया। कांग्रेस इस अभियान के द्वारा भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में कांग्रेस जल्द ही 'भारत जोड़ो यात्रा' के रूप में एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने जा रही है। पिछले आठ साल के दौरान पहली बार कांग्रेस मोदी सरकार को बड़े पैमाने पर घेरने के लिए देशव्यापी अभियान चलाने जा रही है और इस अभियान में कांग्रेस के कई दिग्गज नेता भी शामिल होंगे। हालांकि, इस यात्रा के दौरान कांग्रेस के झंडे के बजाय केवल तिरंगे का इस्तेमाल किया जाएगा। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू होकर 12 राज्यों की यात्रा करेगी और जम्मू-कश्मीर में समाप्त होगी। कन्याकुमारी से कश्मीर के बीच करीब 3,500 किलोमीटर का यह सफर 150 दिन यानी पांच महीने तक चलेगा। इस यात्रा के जरिए राहुल गांधी समेत कांग्रेस के अन्य नेता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बीजेपी सरकार की आलोचना करते हुए नजर आ सकते हैं।

कांग्रेस ने इस यात्रा के लिए समाज के लोगों के साथ-साथ आम जनता को भी आमंत्रित किया है, इससे स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो सकती है। वहीं, कांग्रेस को घेरने के लिए भाजपा के पास भ्रष्टाचार और वंशवाद जैसे दो बड़े हथियार हैं। भाजपा भले ही और भी कई मुद्दों पर कांग्रेस पर हमला करने की कोशिश करे, लेकिन इन सबका आधार यही दो अहम मुद्दे होंगे। हालांकि, इन दोनों मुद्दों को बार-बार उठाकर भाजपा ने कई अन्य क्षेत्रीय दलों के खिलाफ भी आवाज उठाई है।

ममता के एक और एमएलए के यहां सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सीबीआई पश्चिम बंगाल में एक और छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दे रही है। यह छापेमारी बीजपुर जिले से टीएमसी के विधायक सुबोध अधिकारी के यहां चल रही है। जानकारी के मुताबिक यह छापेमारी उनके नॉर्थ 24 परगना जिले में विभिन्न ठिकानों पर की जा रही है। मामला हालीशहर म्यूनिसिपैलिटी चेयरमैन चिट फंड स्कैम से जुड़ा बताया जा रहा है। सीबीआई अफसरों की एक टीम सुबोध अधिकारी के भाई कमल अधिकारी के घर पहुंची है। कमल अधिकारी कंचनपारा म्यूनिसिपैलिटी के चेयरमैन हैं। जानकारी के मुताबिक सीबीआई की कुल छह टीमें नॉर्थ 24 परगाना जिले के हालीशहर और कंचनपारा में रविवार सुबह से ही जुटी हुई हैं।

सीएम ने कहा-विपक्षी साजिश के जाल को कुतर देंगे,उसी जाल में समेट कर वापस भेजा जाएगा

रांची (ईएमएस)। झारखंड में राजनीतिक हलचल के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि जिस तरह से विपक्ष ने षडयंत्र कर जाल बिछाया है उसे एक-एक कर कुतरा जाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने जो जाल बिछाया है ,उसी में समेट कर उन्हें यहां से वापस भेज दिया जाएगा।

सीएम हेमंत सोरेन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विपक्षी अपनी षड़यंत्रकारी नीतियों में खुद फंस जाएगा। विस्तारित मॉनसून सत्र की कल होने वाली बैठक के संबंध में पूछे गये सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्र के शुरू होने में कुछ घंटे बाकी है, सबकुछ जल्द ही स्पष्ट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है।

अनुबंधित सहायक पुलिसकर्मियों को सेवा विस्तार दिये जाने के बाद सीएम हेमंत सोरेन के लिए आयोजित थैंक्स गिविंग प्रोग्राम राज्यभर के विभिन्न जिलों से आये पुलिसकर्मियों ने उनका अभिनंदन किया। मौके पर हेमंत सोरेन में कहा कि उन्हें बहुत सारे लोग चारों ओर से घेरने में लगे है और सरकार को गिराने तथा कमजोर करने में लगे है, लेकिन इससे लोगों घबराने की जरूरत नहीं है। राज्य सरकार ऐसी नीतियां बना रही है, जिससे आने वाले समय में अवधि विस्तार की जरूरत के बिना सभी कर्मियों की सेवा यथावत बनी रही।

इधर, यूपीए के विधायक रायपुर से वापस रांची लौट आये। लेकिन खराब मौसम की वजह से उनकी फ्लाइट 50 मिनट से आसमान में चक्कर काटती रही। बाद में क्लियरेंस मिलने पर फ्लाईट को एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया। रायपुर से रांची लौट रहे यूपीए विधायक को रिसीव करने को लेकर मंत्री सत्यानंद भोक्ता और मिथिलेश ठाकुर एयरपोर्ट पहुंचे थे। विधायकों को रिसीव करने तीन बस पहुंची, दो बसों में बैठ कर विधायक सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उनके स्वागत के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहले ही पहुंचे थे। जबकि तीसरा बस कुछ नेताओं और आप्त सचिव को लेकर सर्किट हाउस पहुंचा।

कांग्रेस के तीनों निलंबित विधायक विधानसभा सत्र में नहीं ले सकेंगे भाग

इरफान अंसारी ने कहा-संकट के समय हेमंत सोरेन के साथ होने की थी चाहत

रांची (ईएमएस)। कैश कांड में पश्चिम बंगाल के हावड़ा से गिरफ्तार कांग्रेस तीन कांग्रेसी विधायक इरफान अंसारी, नमन विक्सल कोंगाड़ी और राजेश कच्छप विस्तारित मॉनसून सत्र के कल एकदिवसीय बैठक में हिस्सा नहीं सकेंगे। सत्र में भाग नहीं ले पाने के कारण इरफान अंसारी समेत तीनों विधायकों ने दुःख जताया है।

जामताड़ा विधायक डॉक्टर इरफान अंसारी खिजरी विधायक राजेश कच्छप एवं कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सेल कोंगाड़ी ने रविवार को कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कल विधानसभा द्वारा आहूत विशेष सत्र में शामिल नहीं हो पाने से वे लोग काफी दुखी हैं। कोलकाता उच्च न्यायालय के आदेशानुसार वे लोग कोलकाता में है और कल ही उनका उच्च न्यायालय में तारीख है।

विधायक इरफान अंसारी ने कहा कि ऐसी संकट की घड़ी में उन्हें हेमंत सोरेन के साथ होना चाहिए था। परंतु उच्च न्यायालय की शर्तों के कारण वे झारखंड नहीं आ पा रहे हैं जिसका उन्हें आजीवन मलाल रहेगा। परंतु मैं कहना चाहता हूं कि झारखंड में महागठबंधन की सरकार को कोई खतरा नहीं है और यह 30 साल तक झारखंड में राज करेगी। तीनों ही विधायक महा गठबंधन सरकार के साथ हैं और आगे भी रहेंगे।

उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश में यह साफ स्पष्ट हो गया है की वे तीनों विधायक सरकार गिराने जैसी कोई भी साजिश में शामिल नहीं है। हाईकोर्ट ने मामले को संज्ञान में लेते हुए फटकार भी लगाई है। विधायक इरफान अंसारी ने आगे कहा की बहुत जल्द वे तीनों विधायक बेदाग झारखंड लौटेंगे और हेमंत जी के समक्ष अपनी बातों को रखेंगे।

कार्टून कोना

एलओसी से पकड़े गए आतंकी तबारक हुसैन ने हार्ट अटैक से पहले उगले थे कई राज

जम्मू (ईएमएस)। कश्मीर के रजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में पिछले महीने घुसपैठ की कोशिश के दौरान गिरफ्तार किए गए आतंकवादी तबरक हुसैन की हृदयागात से मौत हो गई है। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार पकड़े गए पाकिस्तानी आतंकवादी तबारक हुसैन की शनिवार शाम हृदय गति रुकने से मौत हो गई। पाकिस्तानी आतंकवादी तबारक का राजौरी में सेना के अस्पताल में इलाज चल रहा था। 21 अगस्त को राजौरी में पकड़े गए पाकिस्तानी आतंकवादी ने खुलासा किया था कि उसे भारतीय सेना की चौकी पर हमला करने के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के कर्नल द्वारा 30,000 रुपये दिए गए थे।

तबरक पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के कोटली के सब्ज़कोट गांव का रहने वाला था। उसे नौशेरा सेक्टर में गिरफ्तार किया गया था जब उसके साथियों ने उसे छोड़ दिया और सतर्क भारतीय सैनिकों द्वारा रोके जाने के बाद वापस भाग गया।अधिकारियों ने कहा कि पिछले छह वर्षों में यह दूसरी बार है जब पाकिस्तानी सेना की एक खुफिया इकाई के लिए काम करने वाले हुसैन को सीमा पार से इस तरफ घुसपैठ करने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया गया था।

एक आतंकवादी भारतीय चौकी के करीब आया और बाड़ काटने की कोशिश की। अधिकारी ने कहा कि जब सतर्क संतरियों ने उसे देखा तो आतंकवादी ने भागने की कोशिश की। लेकिन बाद में उसे मार गिराया गया। घायल पाकिस्तानी आतंकवादी को जिंदा पकड़ लिया गया और तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई और जीवन रक्षक सर्जरी की गई।

जस्टिस रमणा ने जनहित याचिकाओं के दुरुपयोग पर जताई चिंता, बोले- कभी कोर्ट को विपक्ष की भूमिका भी निभानी चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रमणा ने कहा कि लोकतंत्र में सरकारों के निर्णय सुधारने की अपनी प्रक्रिया होती है और यही एकमात्र तरीका भी है। अदालतों को ऐसा करने के लिए बहुत उत्साहित नहीं होना चाहिए, लेकिन कुछ परिस्थितियों में उन्हें विपक्ष या विपक्ष के विकल्प की भूमिका का भी निर्वहन करना चाहिए।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश रमणा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कैपिटल फाउंडेशन राष्ट्रीय व्याख्यान और पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रहे थे। रमणा को जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर सम्मान से सम्मानित किया गया। स्वयं उन्होंने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए 'लाइफ टाइम अचीवमेंट' अवार्ड से सम्मानित किया।

रमणा ने जनहित याचिकाओं (पीआइएल) के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट की इस अभिनव पहल से बड़े स्तर पर जनहित की सेवा हुई है। इसके माध्यम से लोग अदालतों के करीब आए हैं, लेकिन इसका दुरुपयोग चिंता भी पैदा करता है। इस तरह के कई प्रश्न हैं, जिन्हें फिर से देखने की जरूरत है।

रमणा ने कहा कि सात दशकों में सुप्रीम कोर्ट से कई तरह के मत निकले हैं, ऐसे में न्यायपालिका को किसी एक राय के आधार पर नहीं आंका जा सकता है। इसी तरह, जरूरी नहीं कि 30 से अधिक संवैधानिक संस्थाएं एक ही भाषा में बोलें, यदि वे ऐसा बोलती हैं तो यह स्वस्थ लोकतंत्र का संकेत भी नहीं है। अदालतों ने देश में आपातकाल के पहले या बाद में कई ऐतिहासिक फैसले दिए और यह संभव बनाया कि कानून का राज बना रहे। नवीन पटनायक ने पुरस्कार को ओडिशा के 4.5 करोड़ लोगों को समर्पित करते हुए कहा कि 22 वर्षों से जनता का जो उन पर विश्वास है, वह एक सशक्त ओडिशा की दिशा में काम करने की सबसे बड़ी प्रेरणा है। एनवी रमणा ने कहा कि लोकतंत्र में सरकारों के निर्णय सुधारने की अपनी प्रक्रिया होती है, यही एकमात्र तरीका है।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रमणा का कहना है कि कुछ परिस्थितियों में अदालतों को विपक्ष या विपक्ष के विकल्प की भूमिका का भी निर्वहन करना चाहिए। संवैधानिक संस्थाएं एक ही भाषा में बोलें यह स्वस्थ लोकतंत्र का संकेत नहीं है। उन्होंने 'मिशन शक्ति', 'बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना' स्टील और एल्युमिनियम में अग्रणी उत्पाद, कृषि क्षेत्र में सुधार और गरीबों की दशा में उन्नयन समेत सरकार की अन्य योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि किसने सोचा था कि 1999 के सुपरसाइक्लोन के बाद ओडिशा आपदा प्रबंधन में वैश्विक मानक स्थापित करेगा और संयुक्त राष्ट्र द्वारा सम्मानित होगा। कहा कि ओडिशा किसानों की आय दोगुनी करने वाला अकेला राज्य है।

जन हितैषी

नौसेना की नई पहचान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोच्चि में देश के पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत को देश को समर्पित किया। कोचीन शिपयार्ड पर तैयार किए गए इस विमान वाहक पोत के निर्माण में 20 हजार करोड़ रुपए की लागत आई है। इस पोत के आधिकारिक तौर पर शामिल होने से नौसेना की ताकत दोगुनी हो जाएगी। इस मौके पर पीएम ने कहा कि पिछले समय में भारत-प्रशांत क्षेत्र और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं को लंबे समय तक नजरंदाज किया जाता रहा। लेकिन, आज ये क्षेत्र हमारे लिए देश की बड़ी रक्षा प्राथमिकता है। इसलिए हम नौसेना के लिए बजट बढ़ाने से लेकर उसकी क्षमता बढ़ाने तक, हर दिशा में काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, बूंद-बूंद जल से जैसे विराट समंदर बन जाता है। वैसे ही भारत का एक-एक नागरिक 'वोकल फॉर लोकल के मंत्र को जीना प्रारंभ कर देगा, तो देश को आत्मनिर्भर बनने में अधिक समय नहीं लगेगा। आईएनएस विक्रांत के साथ ही भारत ने औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलने की ओर भी एक कदम बढ़ाया है। नौसेना ने अपने जिस नए प्रतीक का अनावरण किया है, उसमें भारतीय नौसेना के पितामह माने जाने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा के अष्टकोणीय डिजाइन को भी जगह दी गई है। ये आठ कोण नौसेना की आठ दिशाओं में सजगता, सक्रियता दिखाते हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज ने जिस नौसेना का गठन किया था वह अपने समय की अद्वितीय नौसेना थी। इसी नौसेना के कारण मराठों के दुश्मन उनके अहम ठिकानों पर कब्जा नहीं कर पाए। नए निशान पर भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य सम नो वरुणः अंकित है। देश जब आजाद हुआ तो भारतीय रक्षा बलों ने ब्रिटिश औपनिवेशिक झंडे और बैज को जारी रखा। 26 जनवरी, 1950 को इसके पैटर्न में बदलाव किया गया था। नौसेना के ध्वज को भी बदल दिया गया था, लेकिन ध्वज में एकमात्र अंतर यह किया गया था कि यूनियन जैक की जगह तिरंगा लगाया गया था। जॉर्ज क्रॉस को बरकरार रखा गया था। नौसेना के ध्वज में कई बदलाव हुए, लेकिन रेड क्रॉस को नहीं हटाया गया। एक बदलाव 2001 में किया गया था। हालांकि, उस समय भी सेंट जॉर्ज क्रॉस को नहीं हटाया गया था। नौसेना के ध्वज में बदलाव की मांग लंबे समय से की जा रही थी। वाइस एडमिरल वीईसी बारबोजा ने इसको लेकर सुझाव भी दिया था, जो नौसेना से फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ पश्चिमी नौसेना कमान के रूप में रिटायर हुए थे। 2004 में एक और बदलाव किया गया था, लेकिन इस समय भी सेंट जॉर्ज क्रॉस को नहीं हटाया गया। 2014 में देवनागरी लिपि में अशोक चिन्ह के नीचे ध्वज पर सत्यमेव जयते शब्द शामिल किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नए ध्वज का अनावरण किया, जिसके ऊपरी कैंटन पर राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय प्रतीक के साथ एक नीला अष्टकोणीय आकार भी है। यह नौसेना के आदर्श वाक्य के साथ ढाल पर लगाया जाता है। नौसेना ने नए ध्वज को प्रदर्शित करते हुए वीडियो में कहा, जुड़वां सुनहरी सीमाओं के साथ अष्टकोणीय आकार महान भारतीय सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज की मुहर से प्रेरणा लेता है, जिनके दूरदर्शी समुद्री दृष्टिकोण ने एक विश्वसनीय नौसैनिक बेड़े की स्थापना की। भारत के पास अब ऐसा सबसे बड़ा स्वदेशी युद्धपोत है, जो 20 मिग-29 फाइटर जेट्स ले जाने में सक्षम है। इसकी लागत करीब 20 हजार करोड़ रुपए है। 1971 की जंग में आईएनएस विक्रांत ने अपने सीहॉक लड़ाकू विमानों से बांग्लादेश के चटगांव, कॉक्स बाजार और खुलना में दुश्मन के ठिकानों को तबाह किया था। 25 साल पहले इसे रिटायर कर दिया गया था। लेकिन, 1999 की कारगिल जंग के बाद हमें स्वदेशी एयरक्राफ्ट की जरूरत पड़ी। 2009 में इसका निर्माण शुरू हुआ। 500 कंपनियां जुटीं और इसे पूरा कर दिखाया। विक्रांत 40 हजार टन वजन वाला विमान वाहक जहाज है। दुनिया में केवल अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस के पास ही 40 हजार और इससे ज्यादा वजन वाले विमान वाहक जहाज का निर्माण करने की क्षमता है। विक्रांत 20 मिग-29 लड़ाकू विमान और दस हेलीकॉप्टरों को ले जाने में सक्षम है। 2017 में आईएनएस विराट के रिटायर होने के बाद भारत के पास केवल एक विमान वाहक जहाज आईएनएस विक्रमादित्य है।

संत मदर टेरेसा- ममता की प्रतिमूर्ति

(05 सितंबर : पुण्यतिथि पर विशेष)

वह सदा ही दीन-दुखियों की सेवा करते हुए दिखाई देती। गरीबों के बच्चों को शिक्षा देना, बीमार असहायों की सहायता करना और रेगियों की सेवा करना यही उनके जीवन का एकमात्र उद्देश्य था। कलकता के गरीबों की दयनीय स्थिति देखकर उन्होने कॉनवेन्ट से निकल कर गरीबों के बीच रहकर उनकी सेवा का निर्णय लिया। बात 1943 की है जब कलकता और आसपास के क्षेत्र अकाल की चपेट में आ गए। इससे वहां भुखमरी और मौत का अंधकार छा गया। इसे देखकर वह व्यधित हो उठी और स्कूल की शिक्षा को छोड़कर उन्होने गरीबो की सेवा करना शुरू कर दिया। ठीक दो वर्ष बाद हुए हिन्दु-मुस्लिम फसादों के कारण उन्हें मानसिक रूप से काफी पीड़ा हुई।

अल्बानिया में 26 अगस्त 1910 में जन्मी एग्निस गोन्झा बोजग्झि रोमन कैथलिक परिवार से थी। वह एक नन थी। तथा गरीबो अनाथों और बेसहारों की सेवा करने के लिए उन्होने मिशनरी ऑफ चैरिटी की स्थापना की। उन्होने विश्व के अनेक देशों में ऐसी हि संस्थाएं खोली ओर अपने निदेशन तथा सहायकों की मदद से जरूरत मंदो की सहायता की 18 वर्ष की उम्र में अपने परिवार में मां और बहनों को छोड़कर एग्निस ने सिस्टर ऑफ लोरेटो नामक संस्था को ज्वाइन कर लिया वह धार्मिक जीवन व्यतीत करने का निर्णय 12 वर्ष की आयु में ही कर चुकी थी। अपनी सेवा के आरंभिक दौरे में उन्हे बहुत कठिनाइयां का सामना करना पड़ा वह घबराकर वापस जाने का विचार करती इससे पहले ही 1950 में वॉटिकन की ओर से संस्था खोलने की अनुमति प्राप्त हो गई।

उनकी सेवा और ममता की छाया से शीघ्र ही लोगो में उनकी छवि एक मां के रूप में प्रभावशाली हुई। उनकी आरंभिक 13 सदस्यों की संस्था में आज 4000 ननस है जो अपनी सेवा से निराश्रिताँ, वस्त्रहीनों, भूखों, बेसहारा, अंधो, अनाथ, पीड़ितो अनचाहों और दीन, दुखियो को नवजीवन देते है। उन्होने गंभीर बीमारियों से ठास्त रोगियों के लिए शांति नगर की स्थापना की, जिसके माध्यम से कोढ़ियों को एक सुखमय जीवन देने का प्रयास किया गया। उन्होनें बेघर लोगो को छत देने के लिए घर बनाया उनका मानना था कि गरीबों और दीन, दुखियों की सेवा करने से ही हम प्रभु के प्यारे बन सकते है। प्रभु के बनाए सभी बंदो का सुख से रहने का अधिकार है। अतः यदि हम दीन, दुखियां को सुखी रखेगें तो प्रभु हम पर प्रसन्न होंगे। उन्होने विश्वस्तर पर सेवा की मान्यता को स्थापित करने का प्रयास किया आज विश्व के 100 से अधिक देशों में 517 संस्थाए कार्य कर रही है। इनके माध्यम से अनेक योजनाएं विभिन्न प्रकार की सहायता हेतु चलाई जा रही है।

शरीरिक अक्षमताओं ने उन्हे कमजोर करना आरंभ कर दिया और 1983 में उन्हें दिल का दौरा पड़ा दूसरी बार जब उन्हें 1989 में हार्टअटैक हुआ तो वे काफी कमजोर हो गई वृद्धवस्था के कारण निमोनिया से पीड़ित होने के बाद भी उनकी सेवा भावना में कोई कमी नही आई वे गर्भपात के खिलाफ थी और उन्होनें सामान्य रूप से यह घोषण की कि वह महिला बच्चा गोद लेने के लायक नही है। जिसने कभी भी अपना गर्भपात कराया हो । इसी से यह साबित होता है कि वे मानव समाज की बड़ी प्रेमिका थी।

पोप-जॉन पाल द्वितीय ने भी उन्हें धन्य कहा। वह वास्तव में दिव्य व्यक्तित्व थी जिन्होनें पूरे विश्व को मानवता और प्रेम का पाठ पढ़ाया। मदर टेरेसा हमारे बीच नही है। परंतु उनके द्वारा जलाई गई प्रेम की ज्योति सदैव उज्जवल रहेगी। सेवा के लिए उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी संस्था आज भी वैश्विक स्तर पर सेवा का कार्य कर रही है। 5 सितंबर 1996 को उन्होंने नश्वर देह का त्याग किया जिसमें सर्वाधिक जनसमूह ने उन्हें अश्रुपूरित श्रद्धांजली दी। ममता की प्रतिमूर्ति मदर टेरेसा हमारे बीच सदैव अमर रहेंगी।

(लेखक-बी. डेविड/ईएमएस)

शब्द पहेली - 7398

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन (अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली -7397 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

भविष्य की नई कल्पना का स्त्रोत है शिक्षक

शिक्षक समाज का दर्पण होता है। समाज में व्याप्त बुराइयों को कुचलने में शिक्षक की अहम् भूमिका होती है। एक आदर्श शिक्षक अपनी लेखनी द्वारा समाज को जाग्रत करता है। एक शिक्षक को भिन्न भिन्न नामो से जाना जाता है। जैसे- टीचर, अध्यापक, गुरु, आचार्य,आदि। भविष्य की नई राह दिखाने वाले को शिक्षक कहते हैं। शिक्षक संकटों से उबारता है। शिक्षक के अंदर क्षमा करने का गुण होता है। गुरु शिष्य परंपरा में गुरु विद्यार्थियों की कमजोरियों को दूर कर उनको सफलता के चरम शिखर पर पहुँचाता है। तभी तो कृष्ण और अर्जुन जैसी गुरु शिष्य परम्परा को जीवंत रखने वाला भारत विश्व गुरु कहलाया। त्रेतायुग में राक्षसों का नाश करने के लिए श्री हरि विष्णु ने श्रीराम के रूप में जन्म लिया था। श्रीराम के कार्य में हाथ बंटाने के लिए भगवान शिव ने वानर रूप में अवतार लिया। जिसे सारी दुनिया हनुमान (बजरंगबली) के नाम से जानती है। हनुमान जी माता अंजनी और केसरी के पुत्र हैं। बजरंगबली को पवन पुत्र भी कहते हैं। बजरंगबली वायु के समान गतिशील हैं। हनुमान जी में आध्यात्मिकता के सारे गुण मौजूद हैं उनका एक विशेष आध्यात्मिक गुण था सेवा। सेवा ही उनकी साधना थी। कहने का तात्पर्य गुरु सेवा से ही सफलता के चरम शिखर पर पहुंचा जा सकता है। हिन्दुओं के पवित्र ग्रन्थ रामायण में एक कथा है जब हनुमान जी लंका को जाने वाले थे तब वह जामवंत जी की सलाह लेकर गए थे। हनुमान जी को जामवंत ने उनका बल याद दिलाया और कहा कि राम काज लगि तब अवतारा, सुनतहि भयउ पर्वताकारा। जामवंत द्वारा बल याद दिलाए जाने के बाद हनुमान जी ने लंका में प्रवेश किया और भगवान के दिए कार्य को सफल किया। कहने का तापर्य एक आदर्श गुरु आपके अंदर निहित शक्तियों को जाग्रत करने का कार्य करता है। भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परम्परा के अन्तर्गत गुरु (शिक्षक) अपने शिष्य को शिक्षा देता है या कोई विद्या सिखाता है। बाद में वही शिष्य गुरु के रूप में दूसरों को शिक्षा देता है। यही क्रम चलता जाता है। गुरु-शिष्य की यह परम्परा ज्ञान के किसी भी क्षेत्र में हो सकती है, जैसे- अध्यात्म, संगीत, कला, वेदाध्ययन, वास्तु आदि। भारतीय संस्कृति में गुरु का बहुत महत्व है। कहीं गुरु को 'ब्रह्मा-विष्णु-महेश' कहा गया है तो कहीं 'गोविन्द'। गु और रु दो अक्षरों से मिलकर गुरु शब्द का निर्माण हुआ। 'गु' का शाब्दिक अर्थ है अंधकार (अज्ञान) और 'रु' का अर्थ है प्रकाश (ज्ञान)। अज्ञान को नष्ट करने वाला जो प्रकाश है, वह गुरु है। आश्रमों में गुरु-शिष्य परम्परा का निर्वाह होता रहा है। भारतीय संस्कृति में गुरु को अत्यधिक सम्मानित स्थान प्राप्त है। भारतीय इतिहास में गुरु की भूमिका समाज को सुधार की ओर ले जाने वाले मार्गदर्शक के रूप में होने के साथ क्रान्ति को दिशा दिखाने वाली भी रही है। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊपर माना गया है। हिन्दुओं के पवित्र ग्रन्थ बृहदारण्यक उपनिषद में विद्यमान एक मन्त्र है। यह मन्त्र मूलतः सोम यज्ञ की स्तुति में यजमान द्वारा गाया जाता था। मंत्र इस प्रकार है असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय।मृत्योर्मामृतं गमय ? -बृहदारण्यकोपनिषद्। इस मंत्र का हिंदी में भावार्थ इस प्रकार है - मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो। मुझे अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो। मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो? प्राचीन काल में गुरु और शिष्य के संबंधों का आधार था गुरु का ज्ञान, मौलिकता और नैतिक बल। उनका शिष्यों के प्रति स्नेह भाव, तथा ज्ञान बांटने का निःस्वार्थ भाव शिक्षक में होता था। गुरु के प्रति पूर्ण श्रद्धा, गुरु की क्षमता में पूर्ण विश्वास तथा गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण एवं आज्ञाकारिता भी शामिल था। अनुशासन, शिष्य का सबसे महत्वपूर्ण गुण है। तभी तो कहा गया है ''गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः''। इस श्लोक में गुरु के महत्त्व को दिखाने के लिए गुरु की तुलना ब्रह्मा विष्णु तथा महेश के साथ की गई है। गुरु में अप्रतिम शक्ति होती है। गुरु ईश्वर की छाया है। संत कबीर दास का एक दोहा है- गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागू पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय॥ अर्थ – कबीर दास जी ने इस दोहे में गुरु की महिमा का वर्णन किया है। वे कहते हैं कि जीवन में कभी ऐसी परिस्थिति आ जाये की जब गुरु और गोविन्द (ईश्वर) एक साथ खड़े मिलें तब पहले किन्हें प्रणाम करना चाहिए। गुरु ने ही गोविन्द से हमारा परिचय कराया है इसलिए गुरु का स्थान गोविन्द से भी ऊँचा है। आज-कल के गुरु अधिकांशतः धन कमाने में लगे हुए हैं। गुरु ज्ञान का प्रतीक होता है। आज-कल गुरु धन के प्रतीक बनते जा रहे हैं। जो गुरु धन कमाने पर ध्यान केंद्रित करेगा वो न तो कभी क्लास लेगा,न ही कभी ज्ञान की बातें करेगा। ऐसे गुरु लोग,सतत कार्य करने वाले गुरुओं पर छींटाकशी करते हैं। परिणामतः सतत कार्य करने वाले गुरुओं का मनोबल गिरता है। विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक कार्य करने वाले गुरु लोग अपनी प्राइवेट लैब चला रहे हैं। प्राइवेट कोचिंग चला रहे हैं। ऐसे शिक्षक छात्रों पर दवाब बनाकर अपनी लैब,अपनी कोचिंग में बुलाकर धन उगाही का काम करते हैं। जबकि सभी विश्वविद्यालयों में लैब की व्यवस्था होती है तो कैसे एक टीचर अपनी प्राइवेट लैब खोलकर छात्रों पर दवाब बना सकता है? कुछ शिक्षक तो शिक्षण कार्य के साथ साथ बिज़नेस भी कर रहे हैं। विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को चाहिए कि वह ऐसे अकर्मण्य,लालची टीचरों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्यवाही करें। एक शिक्षक का धन कमाने के उद्देश्य से प्राइवेट लैब खोलना, कोचिंग खोलना,अन्य प्रकार के बिज़नेस करना और अपने धंधे को बढ़ाने के लिए छात्रों पर दवाब बनाना आदि विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक स्तर को गिराती हैं। महान संत कबीर ने कहा था – कबीरा ते नर अँध है,गुरु को कहते और। हरि रूठे गुरु ठौर है,गुरु रूठे नहीं ठौर॥ रूल्ठ्ङ्–ॐ लोग अंधे हैं जो गुरु को ईश्वर से अलग समझते हैं। अगर भगवान रूठ जाएँ तो गुरु का आश्रय है पर अगर गुरु रूठ गए तो कहीं शरण नहीं मिलेगा। आजकल तो अधिकांशतः गुरु लोग इस दोहे का गलत प्रयोग कर रहे हैं। ऐसे शिक्षक,गुरु होने की आड़ में अपराध कर रहे हैं। ऐसे शिक्षक मानवता को कलंकित करते हैं। यदि विश्वविद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षक ही भक्षक बन जाएंगे तो समाज में समता नहीं विषमता पैदा होगी। ऐसे ही शिक्षकों द्वारा पढ़ाए गए बच्चे अपराध को जन्म देते हैं। इस प्रकार की शिक्षा से मानवता पर कुठाराघात हो रहा है। शिक्षा (एजुकेशन) बालक की जन्मजात शक्तियों का स्वाभाविक,समन्वित व प्रगतिशील विकास है। शिक्षा व्यक्ति का ऐसा पूर्ण विकास है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता से मानव जीवन के लिये अपनी मौलिक भूमिका प्रदान करते है। शिक्षा किसी राष्ट्र अथवा समाज की प्रगति का मापदंड है। जो राष्ट्र, शिक्षा को जितना अधिक प्रोत्साहन देता है वह उतना ही विकसित होता है। किसी भी राष्ट्र की शिक्षा नीति इस पर निर्भर करती है कि वह राष्ट्र अपने नागरिकों में किस प्रकार की मानसिक अथवा बौद्धिक जागृति लाना चाहता है। जिस दिन से शिक्षक सुधरेंगे उसी दिन से शिक्षा का स्तर सुधर जाएगा। शिक्षा और शिक्षक एक दूसरे के पूरक हैं। शिक्षकों के प्रशिक्षण व शिक्षा सम्बन्धी विभिन्न समस्याओं पर विजय पाना ही शिक्षक दिवस की उपलब्धि है। कर्मठ शिक्षकों का प्रोत्साहन ही इस दिवस को महत्वपूर्ण बनाता है। शिक्षक समतामूलक समाज का कारक है। अतएव हम कह सकते हैं कि शिक्षक ही भविष्य की नई कल्पना का स्त्रोत है।(लेखक - डॉ. शंकर सुवन सिंह/ ईएमएस) (वरिष्ठ स्तम्भकार एवं विचारक, असिस्टेंट प्रोफेसर)

भारत में क्यों है मंदी की शून्य सम्भावना

अभी हाल ही में एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश प्रबंधन एवं वित्तीय सेवा कम्पनी मोर्गन स्टेनली के अर्थशास्त्रियों ने एक प्रतिवेदन जारी कर कहा है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत एशिया में सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बन कर उभरने जा रहा है। इनके अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल कर लेगी जो विश्व में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी एवं भारत का एशियाई एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास दर में क्रमशः 28 प्रतिशत एवं 22 प्रतिशत का योगदान रहने जा रहा है। भारत में सुदृढ़ आर्थिक मांग उत्पन्न होने की प्रबल सम्भावनाएं मौजूद है। साथ ही, आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी तेजी से लागू किये जा रहे हैं। देश में पर्याप्त मात्रा में युवा श्रम शक्ति मौजूद है एवं व्यापार में लगातार निवेश बढ़ रहा है। अभी हाल ही में ब्लूम्बर्ग द्वारा सम्पन किए गए एक सरवे के अनुसार कोविड महामारी एवं रूस युक्रेन युद्ध के बीच भारत में मंदी की शून्य सम्भावना है जबकि कई विकसित एवं विकासशील देश भी मंदी की परेशानी से जूझ रहे है। यह भारत के लिए एक अच्छी खबर कही जा सकती है।

दरअसल भारत ने पिछले 8 वर्ष के दौरान आर्थिक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण फ़ैसले लिए है जिनका प्रभाव अब भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। जो क्षेत्र अभी तक लगभग पूर्णतः आयात पर निर्भर थे, उन क्षेत्रों से भी निर्यात अब बहुत तेज गति पकड़ रहा है। जैसे कि खिलोना उद्योग, सुरक्षा उपकरण निर्माण उद्योग, फार्मा उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, ऑटो उद्योग आदि आदि।

भारतीय खिलौना उद्योग से पूरी दुनिया भर को निर्यात किया जा रहा है और अब भारतीय खिलौना बाजार वैश्विक आकार लेता दिखाई दे रहा है। उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय खिलौना बाजार वर्ष 2024-25 तक बढ़कर 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले 3 वर्षों में भारत से खिलौना निर्यात में 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पहले भारत घरेलू स्तर पर तैयार खिलौनों का सिर्फ लगभग 400 करोड़ रुपए का निर्यात करता था, लेकिन अब ये आंकड़ा 2600 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

देश की रक्षा एजेंसियों, विशेष रूप से डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन), द्वारा भारत को रक्षा उपकरणों के निर्यातक देशों की श्रेणी में ऊपर लाने की लगातार कोशिश की जा रही हैं एवं अब इसके सुखद परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। भारत जल्द ही दुनिया के कई देशों यथा फिलीपींस, वियतनाम एवं इंडोनेशिया आदि को ब्रह्मोस मिसाइल भी निर्यात करने की तैयारी कर रहा है। कुछ अन्य देशों जैसे सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात एवं दक्षिण अफ्रीका आदि ने भी भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने में अपनी रुचि दिखाई है। ध्वनि की रफ्तार से तीन गुना तेज, माक 3 की गति से चलने वाली और 290 किलोमीटर की रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइलें भारत-रूस सैन्य सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। जमीन, आकाश और समुद्र स्थित किसी भी लांच उपकरण से छोड़े जा सकने वाले ब्रह्मोस की खूबी यह है कि यह अपनी तरह का अकेला क्रूज मिसाइल है। आज भारत से 84 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात किया जा रहा है। इस सूची में कतर, लेबनान, इराक, इक्वाडोर और जापान जैसे देश भी शामिल हैं जिन्हें भारत द्वारा बॉडी प्रोटेक्टिंग उपकरण, आदि निर्यात किए जा रहे हैं।

1970 के दशक में अस्तित्व में आया भारत का सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग आज देश और दुनिया में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। इंडस्ट्री बॉडी नेस्कॉम की 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष आईटी सेक्टर में 15.5 प्रतिशत की विकास दर दृष्टिगोचर होने की पूरी सम्भावना है। आज आईटी सेक्टर में करीब 50 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है। जिसमें लगभग 18 लाख महिलाएं शामिल हैं और आईटी सेक्टर का आकार 200 अरब डॉलर से भी अधिक का है। भारत का आईटी सेक्टर जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, वो दिन दूर नहीं जब दुनिया की सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में बस भारत की ही कंपनियों का नाम शुमार होगा।

सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग की तर्ज़ पर ही भारत का इलेक्ट्रॉनिक वाहन बाजार भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस (आईईएसए) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 से वर्ष 2030 के बीच भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 49 प्रतिशत की दर से प्रगति करेगा, इतना ही नहीं इन वाहनो की वार्षिक बिक्री भी 1.7 करोड़ यूनिट तक होने की सम्भावना है। भारत में लिथियम आयन बैटरी की मांग वर्ष 2030 तक सालाना स्तर पर 41 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़कर 142 गीगा वाट तक पहुंच सकती है। घरेलू बाजार में इलेक्ट्रोनिक वाहनों का 50 प्रतिशत हिस्सा दोपहिया वाहनों की बिक्री का लगभग 4.67 लाख यूनिट के रूप में है। भारत में वर्ष 2021 में ई-रिक्शा की मांग के कारण लेड एसिड बैटरी का हिस्सा 81 प्रतिशत का रहा है।

उक्त वर्णित क्षेत्रों के अलावा अन्य कई क्षेत्रों में भी भारत से निर्यात में लगातार प्रभावशाली वृद्धि दर हासिल की जा रही है, क्योंकि भारत के उत्पादों की पूरी दुनिया में मांग बढ़ रही है। इसीलिए भारत सरकार द्वारा भारत से किए जाने वाले निर्यात को वर्ष 2030 तक दो लाख करोड़ आमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए भारत के 100 भारतीय उत्पादों को ग्लोबल चैंपियन बनाये जाने के प्रयास किए जाएंगे और देशभर में आर्थिक क्षेत्र स्थापित किए जाएंगे। वर्ष 2012-22 में देश का वस्तु व सेवा निर्यात 67500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जिसे 2030 तक 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके लिए बाहरी देशों के साथ लगातार मुक्त व्यापार समझौते किये जा रहे है। उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद भारत वर्ष 2030 तक विश्व व्यापार के विदेश व्यापार में योगदान देने वाले पहले तीन-चार देशों में शामिल हो जाएगा।

खिलौना उत्पादों एवं रक्षा उत्पादों के साथ ही प्रौद्योगिकी, सूचना तकनीकी, आटोमोबाईल, फार्मा, मोबाइल उत्पादन, नवीकरण ऊर्जा, डिजिटल व्यवस्था, बुनियादी क्षेत्रों का विकास, स्टार्ट अप्स, ड्रोन, हरित ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में भी भारत अपने आप को तेजी से वैश्विक स्तर पर स्थापित कर रहा है।

भारत में लगातार तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था और निर्यात में लगातार हो रही चहुन्मुखी प्रगति तथा देश के पास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध विदेशी मुद्रा भंडार के चलते ही वैश्विक आर्थिक संस्थान लगातार यह आभास दे रहे हैं कि भारत में मंदी की सम्भावनाएं लगभग शून्य ही हैं। (लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस) (सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

आज का इतिहास 05 सितम्बर

1612 ईस्ट इंडिया कंपनी की नौसेना का गठन हुआ.

1698 रूस के जार पीटर ने दाढ़ी पर कर लगाने का आदेश दिया.

1763 मीर कासिम और अंग्रेजों के बीच राजमहल के निकट दयनाला में लड़ाई हुई जिसमें मीर कासिम को पराजय का मुंह देखना पड़ा.

1888 राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म.

1905 रूस जापान युद्ध समाप्त हुआ था.

1939 द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीका ने तटस्थता की घोषणा की.

1957 संपत्ति कर विधेयक पारित हुआ.

1962 आज से यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है.

1972 पश्चिम जर्मनी की पुलिस द्वारा आतंकवादियों की खिलाफ की गई कार्रवाई में 24 घंटे चली गोलीबारी में इजरायल के ग्यारह ओलंपिक एथलीट, चार फिलीस्तीनी छापामार और एक पुलिसकर्मी मारा गया.

1986 मैनएक जेट के अपहर्ताओं ने पाकिस्तान में यात्रियों पर गोलियां चलाई जिससे 21 लोग मारे गए और कई लोग घायल हो गए.

1990 'प्रसार भारती' बिल राज्यसभा में पास हुआ.

1990 प.बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल सेन का कलकत्ता में निधन.

1991 प्रसिद्ध लेखक शरद जोशी का मुंबई में निधन.

1997 मदर टेरेसा का कोलकाता में निधन.

मुशफिकुर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहा

दुबई (ईएमएस)। बांग्लादेश के क्रिकेटर मुशफिकुर रहीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। माना जा रहा है कि मुशफिकुर ने एशिया कप में बांग्लादेश को मिली लगातार दो हार से निराश होकर यह कदम उठाया है। वह हालांकि एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट खेलते रहेंगे। रहीम ने बांग्लादेश की ओर से 102 टी20 मैच में 6 अर्धशतकों की सहायता से 1500 रन बनाए हैं हालांकि पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन लगातार खराब होता रहा है।

रहीम ने सोशल मीडिया पर संन्यास की घोषणा की है। उन्होंने ट्वीट किया, मैं टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले हरा हूं हालांकि में टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप पर ध्यान देता रहूंगा। इसके साथ ही अवसर मिलने पर मैं फ्रेंचाइजी लीग में भी खेलूंगा।

खेल - समाचार

म्युनिख और बर्लिन का मुकाबला बराबरी पर रहा

बर्लिन (ईएमएस)। बुंडेस्लिगा फुटबॉल लीग में बायर्न म्युनिख और यूनियन बर्लिन के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा है। वहीं एक अन्य मुकाबले में फ्रेइबर्ग ने बायेर लीवरकुसेन को 3-2 से पराजित किया। इसी के साथ ही फ्रेइबर्ग अब गोल औसत के आधार पर अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है जबकि बोरूशिया डॉर्टमंड दूसरे स्थान पर खिसक गयी है। वहीं बायर्न और यूनियन के बराबर अंक है पर वे तीसरे और चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। इस मैच में थॉमस म्यूलर ने दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर बायर्न की ओर से मैदान पर उतरते ही ओलिवर कान के रिकार्ड 633 क्लब मैच खेलने के रिकॉर्ड की बराबरी की। वहीं अन्य मैचों की बात करें तो फ्रेंकफर्ट ने लीपजिग को 4-0 से हराया जबकि वेरडेर ब्रेमेन ने बोशम को 2-0 से शिकस्त दी।

नडाल , अलकारेज , पेगुला और क्वितोवा अमेरिकी ओपन के चौथे दौर में पहुंचे

न्यूयार्क (ईएमएस)। स्पेन के राफेल नडाल और उनके हमवतन कार्लोस अलकारेज के अलावा जेसिका पेगुला और पेत्रा क्वितोवा भी अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंच गये हैं। नडाल ने फ्रांस के रिचर्ड गास्केत को आसानी से 6-0, 6-1, 7-5 से हराया पर वह मुकाबले के दौरान अपना ही रैकेट नाक में लगने के कारण चोटिल हो गये। अब अगले ही दौर में नडाल का मुकाबला अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो से होगा।

दूसरी ओर अमेरिका के पीट सम्प्रास के बाद अलकारेज चौथे दौर में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। अलकारेज ने जेंसन ब्रूक्सबी को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। अब उनका सामना मारिन सिलिच और डेनियल इवांस के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सबसे कम उम्र में सबसे पहले चौथे दौर में पहुंचने का कारनाना सम्प्रास ने साल 1989 और 1990 में किया था।

वहीं एक अन्य मुकाबले में आंद्रेइ रूबलेव ने चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच में डेनिस शापोवालोव को 6-4, 2-6, 7-6, 6-4, 7-5 से पराजित किया। अब उनका सामना कैमरन नॉरी से होगा। वहीं महिला वर्ग में पेगुला ने क्वालीफायर युआन यूइ को 6-2, 6-7, 6-0 से हराकर जबकि क्वितोवा ने भी गारबाइन मुगुरूजा को 5-7, 6-3, 7-6 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया।

स्पेनिश लीग : बार्सीलोना ने सेविला को 3-0 से हराया

बार्सीलोना (ईएमएस)। रॉबर्ट लेवांडोवस्की, राफिन्हा और जुलेस काउंडे के शानदार गोलों की बदौलत बार्सीलोना ने स्पेनिश लीग स्पेनिश लीग फुटबॉल में सेविला को 3-0 से हरा दिया। इससे अब अंकतालिका में बार्सीलोना रीयाल मैड्रिड से दो अंक कम होने के साथ ही दूसरे स्थान पर आ गयी है। वहीं इससे पहले एक अन्य मैच में मैड्रिड ने रीयाल बेटिस को 2-1 से पराजित किया। मैड्रिड की ओर से विनिशियस जूनियर और रौद्रिगो ने गोल किये। वहीं एक अन्य मैच में रीयाल सोशिदाद का मुकाबला एटलेटिको मैड्रिड से 1-1 से बराबरी पर रहा। दूसरी ओर एक अन्य मुकाबले में काइलियान एमबाप्पे के दो गोल की सहायता से पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने नांतेस को 3-0 से हराकर फ्रेंच फुटबॉल लीग में नंबर एक स्थान बनाये रखा है। पीएसजी अगले सप्ताह चैम्पियंस लीग मैच में जुवेंटस से खेलेगी। छह लीग मैचों में पांच जीत के साथ ही पीएसजी ने अब तक 24 गोल किये हैं।

जिम्बाब्वे ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया धरती पर जीता मैच

रेयान ने लिए पांच विकेट

सिडनी (ईएमएस)। रेयान बर्ल की घातक गेंदबाजी से जिम्बाब्वे ने मेजबान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को पहली बार उसी की धरती पर हराया है। यहां सीरीज के दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे ने जीत के साथ ही यह अहम उपलब्धि हासिल की है। इस मैच में जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर रेयान ने अपने तीन ओवर में 5 विकेट लिए।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने इस जीत की खुशी अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर साझा की है। इस वीडियो में जिम्बाब्वे के खिलाड़ी टीम बस में नाचते , गाते हुए नजर आये। इस दौरान बल्लेबाज सिकंदर रजा को बस में टीम के साथियों सहित गाना गाते और जबरदस्त डांस करते हुए देखा गया। इस गाने को जिब्बाब्वे क्रिकेट टीम के आधिकारिक प्रशंसक ग्रुप ने बनाया है।

इस मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान कंगारु बल्लेबाज जिम्बाब्वे के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये और केवल 141 रन ही बना पाये। मेजबान टीम की ओर से सबसे ज्यादा 94 रन सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे के कप्तान रेगिस चकाब्सा ने नाबाद 37 रन बनाकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दी। हार से निराश ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने माना है कि मेहमान टीम जिम्बाब्वे ने अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाली किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है।

एशिया कप : सुपर-4 में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को चार विकेट से हराया

शारजाह (ईएमएस)। श्रीलंका ने सुपर-4 में जीत से शुरुआत की है। श्रीलंकाई टीम ने कुसल मेंडिस और भानुका राजपक्षे की शानदार बल्लेबाजी से अफगानिस्तान को चार विकेट से हरा दिया। इससे पहले लीग मुकाबले में उसके अफगानिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इस सुपर-4 मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए रहमानुल्लाह गुरबाज के 84 रनों की सहायता से अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 175 रन बनाये। श्रीलंका की ओर से दिलशान मदुशंका ने दो विकेट जबकि तीक्ष्णा और फर्नांडो ने एक-एक विकेट लिया।

इसके बाद श्रीलंकाई टीम ने यह लक्ष्य 19.1 ओवर में ही 6 विकेट पर हासिल कर लिया। श्रीलंका की ओर से मेंडिस ने 36 जबकि राजपक्षे ने 31 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंक ने तेज शुरुआत की। शुयआती छह ओवरों में ही टीम ने पचास से अधिक रन बना लिये।

निसंका 35 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। असलंका 8 रन बनाकर असलंका की गेंद पर आउट हुए।

श्रीलंका ने 17 ओवरों में 155 रन बनाये। 18 वें ओवर में हसरंगा ने दो चौके लगाये। इस ओवर में कुल 12 रन बने। 19वां ओवर की पहली ही गेंद पर राजपक्षे ने चौका लगाया। इसके बाद दूसरी गेंद पर 2 रन लिया पर तीसरी गेंद पर वह आउट हो गए। उन्होंने 31 रन बनाए। वहीं हसरंगा 9 गेंद पर 16 रन बनाकर आउट नहीं हुए। 20 वें ओवर में करुणारत्ने ने चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। वहीं इससे पहले अफगानिस्तान की ओर से रहमानुल्लाह गुरबाज ने 84 रन जबकि इब्राहिम जादरान ने 40 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को 175 रनों तक पहुंचाया।

द्रविड़ ने किया विराट का बचाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का बचाव करते हुए कहा है कि विराट कितने रन बनाते हैं उसको लेकर वह चिन्तित नहीं हैं। अहम यह है कि उनका योगदान टीम के लिए कितना लाभदायक रहता है क्योंकि छोटी पारी भी अहम भूमिका अदा करती है। गौरतब है कि पिछले दो साल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कोहली अधिक रन नहीं बना पाये हैं। इसके अलावा उनका स्ट्राइक-रेट भी कम रहा है।

द्रविड़ ने कहा, ''कोहली भी एक ब्रेक के बाद वापस आ रहा है, यह देखकर अच्छा लगा कि वह एशिया कप में अब तक अच्छी लय में रहा है। वह सभी मैचों को खेलने को लेकर उत्साहित है। उम्मीद है कि वह जितना समय मैदान में बिताएगा। बेहतर होता जाएगा। उन्होंने प्रशंसकों से भी कहा कि किसी एक खिलाड़ी के आंकड़ों पर ज्यादा ध्यान नहीं दें।

द्रविड़ ने कहा, '' हमारे लिए, यह इसका कोई मतलब नहीं है कि कि वह कितने रन बनाता है। विशेष रुप से विराट के साथ क्योंकि उसने इतने अधिक रन बनाये हैं कि लोग उससे हमेशा ही बड़ी पारी की उम्मीद करते हैं। विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 35 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने हांगकांग के खिलाफ 44 अर्धशतक लगाया था। वहीं

युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के बारे में उन्होंने कहा कि वह विकेटकीपर के लिए पहले विकल्प नहीं है। उन्होंने आगामी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए कहा कि हम हालात , मैदान और विरोधी टीम के अनुसार खेलते हैं और उसी के अनुसार सर्वश्रेष्ठ एकादश का चयन करते है।

सुपर-4 राउंड में जीता पाकिस्तान, भारत को पांच विकेट से हराया, रिजवान-नवाज ने पलटा मैच

दुबई, सुपर-4 के मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को एक गेंद रहते पांच विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 181 रन बनाए। विराट कोहली ने 44 गेंदों में 60 रन की पारी खेली। जवाब में पाकिस्तान ने 19.5 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मोहम्मद रिजवान ने 51 गेंदों में 71 रन की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने छह चौके और दो छक्के लगाए। वहीं, मोहम्मद नवाज ने 20 गेंदों में 42 रन की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने छह चौके और दो छक्के लगाए।

भारतीय टीम को अब अपने अगले दोनों मैच जीतने होंगे। एक भी मैच हारने पर टीम इंडिया पर एशिया कप से बाहर होने का खतरा मंडराने लगेगा। भारत अब छह सितंबर को श्रीलंका से भिड़ेगा। वहीं, पाकिस्तान की टीम सात सितंबर को अफगानिस्तान का सामना करेगी। पाकिस्तान को आखिरी तीन ओवर में 34 रन चाहिए थे। 18वें ओवर में रवि बिश्नोई गेंदबाजी के लिए आए और उनके इस ओवर में आसिफ अली का कैछ छूटा। तब आसिफ खाता भी नहीं खोल सके थे। इसके बाद आसिफ ने आठ गेंदों में 16 रन बना डाले। आखिरी दो ओवर में पाकिस्तान को 26 रन चाहिए थे। भुवनेश्वर कुमार ने 19वें ओवर में 19 रन दे डाले।

आखिरी दो गेंदों में पाकिस्तान को दो रन चाहिए थे। 20वें ओवर की पांचवीं गेंद पर पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने दो रन लेकर जीत दर्ज की। खुशदिल शाह 11 गेंदों में 14 रन और इफ्तिखार अहमद दो रन बनाकर नाबाद रहे।18 ओवर में पाकिस्तान ने चार विकेट गंवाकर 156 रन बना लिए हैं। पाकिस्तान को 12 गेंदों में 26 रन चाहिए। फिलहाल खुशदिल शाह और आसिफ अली क्रीज पर हैं। 17वें ओवर में पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा। हार्दिक पांडया ने शानदार बल्लेबाजी कर रहे मोहम्मद रिजवान को सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच कराया। रिजवान ने 51 गेंदों में 71 रन की बेहतरीन पारी खेली। अपनी पारी में रिजवान ने छह चौके और दो छक्के लगाए। 17 ओवर के बाद पाकिस्तान ने चार विकेट गंवाकर 148 रन बना लिए हैं। पाकिस्तान को 18 गेंदों में 34 रन बनाने हैं। 136 के स्कोर पर पाकिस्तान को तीसरा झटका लगा। भुवनेश्वर कुमार ने आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे मोहम्मद नवाज को दीपक हुड्डा के हाथों कैच कराया। नवाज ने 20 गेंदों में 42 रन की आक्रामक पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने छह चौके और दो छक्के लगाए। नवाज और रिजवान के बीच 41 गेंदों में 73 रन की साझेदारी हुई। 16 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 139 रन है। फिलहाल मोहम्मद रिजवान 47 गेंदों में 65 रन और खुशदिल शाह एक रन बनाकर क्रीज पर हैं।

मोहम्मद रिजवान ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 15वां अर्धशतक लगाया। उन्होंने 37 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। 13 ओवर के बाद पाकिस्तान ने दो विकेट गंवाकर 107 रन बना लिए हैं। फिलहाल रिजवान 38 गेंदों में 51 रन और नवाज 11 गेंदों में 24 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। पाकिस्तान को अब 42 गेंदों में 75 रन की जरूरत है। वहीं, भारत को इस साझेदारी को तोड़ना ही होगा। दोनों के बीच अब तक 26 गेंदों में 44 रन की साझेदारी हो चुकी है। 10 ओवर के बाद पाकिस्तान ने दो विकेट गंवाकर 76 रन बना लिए हैं।

भारत ने पाकिस्तान के सामने 182 रन का लक्ष्य रखा है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 181 रन बनाए। विराट कोहली पुराने रंग में लौट आए हैं। उन्होंने 44 गेंदों में 60 रन की पारी खेली। अपनी पारी में कोहली ने चार चौके और एक छक्का लगाया। आखिरी ओवर में वह आउट हुए। 20वें ओवर में हारिस ने पहली चार गेंद पर दो रन गिए और विराट कोहली रन आउट हुए। इसके बाद आखिरी दो गेंद पर रवि बिश्नोई बल्लेबाजी के लिए और उन्होंने लगातार दो गेंदों पर दो चौके लगाए। दोनों बार फखर जमान की खराब फील्डिंग देखने को मिली। आखिरी गेंद पर फखर ने बिश्नोई का आसान कैच छोड़ दिया। इस तरह भारत ने आखिरी ओवर में 10 रन बटोरे। टीम इंडिया ने आखिरी पांच ओवर में 46

वैश्विक रुझान और विदेशी कोषों की आवक तय करेगी बाजार की दिशाः विश्लेषक

- विदेशी कोषों की आवक और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का भी रहेगा असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह महत्वपूर्ण घरेलू घटनाक्रम की गैर-मौजूदगी में शेयर बाजारों की ?दिशा वैश्विक रुझानों, विदेशी कोषों की आवक और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से तय होगी। अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में लगातार तीसरी बार 0.75 प्रतिशत बढ़ोतरी करने की प्रबल संभावना के डर का साया भी रहेगा। विश्लेषकों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस सप्ताह की प्रमुख वैश्विक घटनाएं यूरोपीय सेंट्रल बैंक द्वारा ब्याज दर पर फैसला और चीन की मुद्रास्फीति दर हैं। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि भारतीय इक्विटी बाजार, ज्यादातर वैश्विक बाजारों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और कमजोर वैश्विक संकेतों के बावजूद लचीलापन दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर कोई महत्वपूर्ण घटनाक्रम नहीं है, इसलिए वैश्विक बाजारों की दिशा हमारे बाजार की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वैश्विक मोर्चे पर यूरोपीय सेंट्रल बैंक आठ सितंबर 2022 को ब्याज दर के बारे में फैसला करेगा। इसके अलावा अगस्त के लिए सेवा क्षेत्र के पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे। ये आंकड़े सोमवार को आएंगे। बाजार ?विश्लेषक कहते हैं ?कि किसी भी बड़े घटनाक्रम के अभाव में प्रतिभागियों की नजर वैश्विक बाजारों पर होगी। इसके अलावा विदेशी प्रवाह के रुख पर भी उनकी नजर रहेगी। एफपीआई आवक बढ़ने से घरेलू शेयर बाजारों को लचीला बने रहने में मदद मिली। हालांकि पिछले दिनों अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीदों के विपरीत मौद्रिक सख्ती की ओर इशारा किया। ऐसे में आर्थिक मंदी की चिंताएं बढ़ गईं और दुनिया भर के बाजारों पर इसका असर देखने को मिला।

भारत अन्य देशों की तुलना में मजबूत स्थिति मेंः सीतारमण

हैदराबाद (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के दहाई अंकों में बने रहने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों की तुलना में भारत मजबूत स्थिति में है और जरूरतमंद वर्गों को मदद देने के लिहाज से जिम्मेदार भी है। सीतारमण ने संवाददाताओं से बातचीत में जीडीपी वृद्धि को लेकर सकारात्मक रुख दर्शाया। इस दौरान उन्होंने उन खबरों का हवाला भी दिया जिनमें कहा गया था कि देश में मंदी का खतरा नहीं है। कुछ दिन पहले जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 13.5 फीसदी की दर से बढ़ी है। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ लोग इस उच्च वृद्धि के लिए पिछले साल के निम्न आधार को जिम्मेदार बताने की कोशिश करेंगे। हम जिन अर्थव्यवस्थाओं की बात कर रहे हैं उनकी तुलना में हम मजबूत स्थिति में हैं। हम वास्तव में सबसे तेजी से वृद्धि करती हुई अर्थव्यवस्था हैं। उन्होंने विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि भारत से कहीं अधिक विकसित मानी जाने वाली अर्थव्यवस्थाएं इस समय मंदी की कगार पर हैं। सरकारों की तरफ से बांटे जाने वाले मुफ्त उपहारों से जुड़े एक सवाल पर सीतारमण ने कहा ?कि हमें इस चर्चा में हिस्सा जरूर लेना चाहिए क्योंकि अगर आप किसी को कुछ निःशुल्क दे रहे हैं तो इसका मतलब है कि उसका बोझ कोई और उठा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि सत्ता में आने वाली किसी भी सरकार को अपनी वित्तीय स्थिति का आकलन करने के बाद मुफ्त उपहारों के लिए वित्तीय प्रावधान करना चाहिए।

अडाणी को एनडीटीवी में हिस्सेदारी हासिल करने आयकर विभाग की मंजूरी जरूरी नहींः समूह

नई दिल्ली (ईएमएस)। अडाणी समूह का कहना है कि एनडीटीवी में हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए आयकर ?विभाग की मंजूरी जरूरी नहीं है। इस संबंध में अडाणी समूह ने एक बयान जारी किया और कर विशेषज्ञों ने इस बात का समर्थन भी किया है। अडाणी समूह ने बीते दिनों फर्म वीसीपीएल का अधिग्रहण किया, जिसने एक दशक से अधिक समय पहले एनडीटीवी के संस्थापकों को वारंट के बदले में 403 करोड़ रुपए से अधिक का ऋण दिया था। कर्ज न चुकाने की सूरत में वीसीपीएल को समाचार समूह में 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की अनुमति मिली थी। अडाणी ने वीसीपीएल के इस अधिकार का प्रयोग किया है, लेकिन एनडीटीवी का कहना है कि इस तरह के अधिग्रहण पर आयकर अधिकारियों ने रोक लगा दी है। अडाणी समूह ने कहा कि विश्वप्रधान कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीपीएल) ने बताया कि आयकर विभाग के आदेश केवल एनडीटीवी में आरआरआरपी होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड (एनडीटीवी के एक प्रवर्तक) के शेयरों पर लागू होते हैं और इससे वीसीपीएल को इक्विटी शेयरों का आवंटन प्रतिबंधित नहीं होता है। समूह ने वीसीपीएल से मिले जवाब का हवाला देते हुए कहा कि आयकर विभाग के आदेश केवल आरआरपीआर के खिलाफ जारी किए गए हैं और ऐसा उक्त एनडीटीवी शेयरों पर आरआरपीआर के निरंतर स्वामित्व को सुरक्षित करने के लिए किया गया। आयकर विभाग के आदेश व्यक्तिगत रूप से प्रणय रॉय और राधिका रॉय के खिलाफ जारी नहीं किए गए हैं। इस मुद्दे पर कर विशेषज्ञों ने भी अडाणी समूह का समर्थन किया है।

अगस्त में विदेशी निवेशकों का निवेश 20 महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई (ईएमएस)। विदेशी निवेशकों ने अगस्त में भारतीय इक्विटी बाजारों में 51,200 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक यह 20 महीनों की उच्चतम आवक है। तेल कीमतों में स्थिरता और जोखिम लेने की भावना में बढ़ोतरी के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुझान भारत की ओर बढ़ा है। इससे पहले जुलाई में एफपीआई ने लगभग 5,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था। एफपीआई ने लगातार नौ महीनों तक बड़े पैमाने पर बिकवाली करने के बाद जुलाई में पहली बार खरीदारी की थी। उन्होंने अक्टूबर 2021 से जून 2022 के बीच भारतीय इक्विटी बाजारों से 2.46 लाख करोड़ रुपए निकाले। भारत इस महीने भी एफपीआई की आवक दर्ज करेगा। हालांकि अगस्त की तुलना में इसकी गति धीमी हो सकती है। मुद्रास्फीति, डॉलर का रुख और ब्याज दर एफपीआई प्रवाह को निर्धारित करेंगे। फिर से बाजार में रिकवरी देखने को मिल रही है। बाजार में रिकवरी के बाद आईपीओ बाजार भी रफ्तार पकड़ने लगा है। अब हर हफ्ते आईपीओ आ रहे हैं। साथ ही फिर से आईपीओ में लिस्टिंग गेन देखने को मिल रही है। जिन कंपनियों ने अपने आईपीओ होल्ड किए थे अब वे फिर से स?क्रिय हो गए हैं।

देश का व्यापार घाटा बढ़कर 28.68 अरब डॉलर पहुंचा

- अगस्त में 33 अरब डॉलर का निर्यात

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश का निर्यात अगस्त महीने में 1.15 फीसदी घटकर 33 अरब डॉलर रहा है जबकि व्यापार घाटा (ट्रेड डेफिसिट) दोगुने से भी अधिक बढ़कर 28.68 अरब डॉलर हो गया है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी प्रारंभिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। एक साल पहले अगस्त 2021 में व्यापार घाटा 11.71 अरब डॉलर रहा था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2022 में देश का आयात एक साल पहले की तुलना में 37 फीसदी बढ़कर 61.68 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि वाणिज्य सचिव बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश का कुल निर्यात 450 अरब डॉलर के पार जाने की उम्मीद है। उत्पाद निर्यात में हम इस वित्त वर्ष में 450 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लेंगे। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान देश का निर्यात 17.12 फीसदी बढ़कर 192.59 अरब डॉलर हो गया, वहीं आयात 45.64 फीसदी बढ़कर 317.81 अरब डॉलर हो गया। इसी अवधि में देश का व्यापार घाटा बढ़कर 125.22 अरब डॉलर हो गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 53.78 अरब डॉलर था। अगस्त में तेल आयात 86.44 फीसदी बढ़कर 17.6 अरब डॉलर हो गया जबकि सोने का आयात 47.54 फीसदी गिरकर 3.51 अरब डॉलर हो गया। जब कोई देश निर्यात की तुलना में आयात ज्यादा करता है तो उसे व्यापार घाटा कहते हैं यानी वह देश अपने यहां ग्राहकों की जरूरत को पूरा करने के लिए वस्तुओं और सेवाओं का पर्याप्त उत्पादन नहीं करता है तो उसे दूसरे देशों से आयात करना पड़ता है। इसके विपरीत अगर कोई देश आयात की तुलना में निर्यात ज्यादा करता है तो ट्रेड सरप्लस कहा जाता है।

चेक गणराज्य में तेज सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन,

वॉशिंगटन (ईएमएस)। यूरोपीय महाद्वीप के राष्ट्र चेक गणराज्य में सत्तारूढ़ पार्टी की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। शनिवार को सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ रैली में दूर-दराज के हजारों प्रदर्शनकारियों ने हिस्सा लिया। पुलिस का अनुमान है कि प्राग के सेंट्रल वेंसस्लास स्क्वायर पर गुस्साए लोगों की संख्या करीब 70 हजार है। विरोध का नेतृत्व प्रत्यक्ष लोकतंत्र पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी सहित कुछ राजनीतिक दलों ने किया।

इन प्रदर्शनकारियों ने रूढ़िवादी प्रधान मंत्री पेटार फिआला के नेतृत्व वाली मौजूदा गठबंधन सरकार के इस्तीफे की मांग की। दरअसल ये लोग सरकार की पाश्चात्य नीतियों समेत कई मुद्दों से नाराज हैं और लगातार इसकी आलोचना कर रहे हैं। प्रधान मंत्री फियाला ने कहा कि सभी को विरोध करने का अधिकार है लेकिन प्रदर्शनकारी रूस समर्थक विचार व्यक्त कर रहे हैं जो चेक गणराज्य और हमारे नागरिकों के हित में नहीं हैं।दरअसल, इन प्रदर्शनकारियों ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का समर्थन करने के लिए सरकार की निंदा की और उस पर ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से निपटने में असमर्थ होने का आरोप लगाया।

साथ ही, प्रदर्शनकारियों ने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु तटस्थता तक पहुंचने के लिए नाटो और यूरोपीय संघ और 27 देशों की योजनाओं की भी आलोचना की। चेक गणराज्य रूसी आक्रमण के खिलाफ अपनी लड़ाई में यूक्रेन का एक मजबूत समर्थक रहा है और उसने भारी हथियारों सहित कई सैन्य उपकरणों के साथ यूक्रेनी सशस्त्र बलों की आपूर्ति की है।

यूक्रेन पर रूस के हमले के समर्थन में सड़कों पर उतरे हजारों चेक लोग, पेट्र फिआला से की इस्तीफे की मांग

प्राग (ईएमएस)। यूरोपीय महाद्वीप में स्थित देश चेक गणराज्य में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज हो गए हैं। सत्तारूढ़ दल के खिलाफ शनिवार को निकाली गई रैली में दूर-दराज इलाकों से 70 हजार से अधिक प्रदर्शनकारी शामिल हुए। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कुछ राजनीतिक दलों ने किया, जिसमें प्रत्यक्ष लोकतंत्र पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी शामिल हैं। इन प्रदर्शनकारियों ने रूढ़िवादी प्रधानमंत्री पेट्र फिआला के नेतृत्व वाली मौजूदा गठबंधन सरकार के इस्तीफे की मांग की।

दरअसल ये लोग सरकार की पश्चिमी देशों समर्थित नीतियों समेत कई मुद्दों से नाराज हैं। प्राइम मिनिस्टर फियाला ने कहा कि सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन विरोध करने वाले रूस का समर्थन कर रहे हैं जो कि चेक गणराज्य और हमारे नागरिकों के हित में नहीं हैं।

दरअसल इन प्रदर्शनकारियों ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का समर्थन के लिए सरकार की निंदा की और आरोप लगाया कि वह ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से निपटने में सक्षम नहीं है। वहीं प्रदर्शनकारियों ने नाटो और यूरोपीय संघ व 27 देशों के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती और जलवायु तटस्थता तक पहुंचने की योजना की भी आलोचना की। चेक गणराज्य रूस के आक्रमण के खिलाफ इस लड़ाई में यूक्रेन का दृढ़ता से समर्थन करता रहा है और उसने यूक्रेन के सशस्त्र बलों को भारी हथियारों समेत कई सैन्य उपकरण भी दिए हैं। सरकार अब ऊर्जा संकट के मुद्दे पर अगले सप्ताह यूरोपीय संघ के देशों की एक आपातकालीन बैठक बुलाने की योजना बना रही है।

चेक रिपब्लिक में सरकार विरोधी यह प्रदर्शन उस समय हुआ है जब मुद्रास्फीति और ईंधन की कीमतों को लेकर विपक्ष सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई थी। हालांकि सरकार इससे बच गई। विपक्षी नेता अंद्रेज बाबिस ने कहा कि, प्रधानमंत्री फियाला और उनके मंत्री हमारे देश को चलाने में सक्षम नहीं हैं, साथ ही ऊर्जा संकट के मुद्दे पर वे पूरी तरह से नाकाम हो चुके हैं। पूर्व प्रधान मंत्री, बाबिस पिछले साल एक चुनाव में हार गए थे। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि घोटाले में कथित भ्रष्टाचार के लिए लोगों की बेवजह जांच की जा रही है।

किसान ने टमाटर उगाने का अनोखा रेकॉर्ड बनाया

-एक ही पौधे पर 1-2 नहीं बल्कि पूरे 5,891 टमाटर आए

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन के एक किसान ने टमाटर उगाने का एक अनोखा रेकॉर्ड बनाया है। हर्टफोर्डशायर में एक शख्स ने एक ही बेल पर 5,891 टमाटर उगाए हैं। किसान डगलस स्मिथ (44) ने लाल और हरे टमाटर की गिनती की है। सभी टमाटर का वजन कुल मिला कर 20 किग्रा से ज्यादा था। इससे पहले एक ही बेल में सबसे ज्यादा टमाटर उगाने का रेकॉर्ड मिडलैंड्स के कोवेंट्री के सुरजीत सिंह कैंथ के पास था।

सुरजीत ने एक ही बेल पर 1,344 टमाटर उगाए थे। इसी बीच हैम्पशायर के एक शौकिया माली ने दुनिया का सबसे बड़ा खीरा उगाया है। उनका ये कारनामा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड में दर्ज किया गया है। सैबेस्टियन सुकी ने 3 फीट लंबा खीरा उगाया है जो बाजार में मिलने वाले औसत खीरे से चार गुना ज्यादा बड़ा है। वहीं, इसका वजन 20 गुना ज्यादा है। सबसे ज्यादा टमाटर उगाने वाले डगलस स्मिथ इससे पहले 20 फीट लंबा सूरजमुखी का पौधा उगा कर रेकॉर्ड बना चुके हैं। स्मिथ एक घ्ऊ मैनेजर हैं जो हर्टफोर्डशायर के स्टैनस्टेड एबॉट्स में अपने बेटे स्टेलन और पत्नी पाइपर के साथ रहते हैं। वह शौकिया तरीके से किसानी करते हैं।

उन्हे उम्मीद है कि इस बार जब वह टमाटर उगाएंगे तो इसकी आधिकारिक मान्यता मिलेगी। हालांकि टमाटर उगाने का उनका ये रेकॉर्ड दो अन्य गवाहों ने भी देखा है। 2020 में स्मिथ 20 फीट लंबा सूरजमुखी पौधा उगा कर चर्चा में आए थे, जो उनके घर से भी ऊंचा था। ये यूके का सबसे बड़ा सूरजमुखी का पौधा था। स्मिथ ने आगे कहा कि उन्होंने रेकॉर्ड बनाने के लिए टमाटर उगाया था। लेकिन उन्हें उम्मीद नहीं थी कि ये संख्या 6000 टमाटर के करीब पहुंच जाएगी।

पीएम शेख हसीना बोली- बांग्लादेश पर बोझ हैं रोहिंग्या प्रवासी, इस मुद्दे पर भारत निभा सकता है अहम भूमिका

ढाका (ईएमएस)। रोहिंग्या शरणार्थियों को लेकर बांग्लादेश चिंतित है यहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इनको बांग्लादेश के लिए एक बड़ा बोझ बताया है। उन्होंने कहा कि दस लाख से अधिक रोहिंग्या प्रवासी बांग्लादेश पर बड़ा बोझ हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भारत प्रमुख भूमिका निभा सकता है और देश यह सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बात कर रहा है, ताकि वे अपनी मातृभूमि में लौट जाएं।

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि उन्हें लगता है कि भारत समस्या के समाधान में अहम भूमिका निभा सकता है। हसीना ने कबूल किया कि बांग्लादेश में लाखों रोहिंग्याओं की मौजूदगी ने उनके शासन के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी थीं। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि ये हमारे लिए यह एक बड़ा बोझ है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में 11 लाख रोहिंग्या हैं। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय और अपने पड़ोसी देशों से भी परामर्श कर रहे हैं, उन्हें भी कुछ कदम उठाने चाहिए ताकि वे घर वापस जा सकें।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए विस्थापित समुदाय की देखभाल करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि मानवीय आधार पर हम उन्हें आश्रय देते हैं और सब कुछ प्रदान करते हैं। लेकिन इस कोविड के दौरान हमने सभी रोहिंग्या समुदाय का टीकाकरण किया। लेकिन वे यहां कब तक रहेंगे? इसलिए वे शिविर में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग नशीले पदार्थों की तस्करी, महिला तस्करी में लिप्त होते हैं और ये दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। इसलिए जितनी जल्दी वे स्वदेश लौटते हैं यह हमारे देश के लिए और म्यांमार के लिए भी अच्छा है।

पीएम शेख हसीना ने कहा कि हम उन्हें आगे बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, हम उनके लिए आसियान या संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय और अन्य देशों के साथ चर्चा कर रहे हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके देश ने रोहिंग्याओं को शरण देने की पेशकश की थी, जब वे कई परेशानियों का सामना कर रहे थे। हसीना ने कहा कि अब उन्हें अपने देश वापस जाना चाहिए। लेकिन एक पड़ोसी देश के रूप में भारत इसमें बड़ी भूमिका निभा सकता है, मुझे ऐसा लगता है। प्रधानमंत्री हसीना सोमवार से अपनी चार दिवसीय भारत यात्रा की शुरुआत करने वाली हैं।

रोहिंग्या ने खड़ा किया बड़ा संकट, भारत बड़ा देश है, वहां उन्हें समायोजित कर हल हो सकती है समस्या : शेख हसीना

ढाका (ईएमएस)। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रोहिंग्या प्रवासियों को बांग्लादेश पर बड़ा बोझ बताया है। प्रधानमंत्री हसीना ने कहा इस मुद्दे पर हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से लगातार बात कर रहे हैं, ताकि रोहिंग्या प्रवासियों की वतन वापसी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा भारत इस मुद्दे को हल करने में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है।

बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने स्वीकार किया कि बांग्लादेश में लाखों रोहिंग्याओं की मौजूदगी ने उनके शासन के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी थीं। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि रोहिंग्या प्रवासियों की मौजूदगी हमारे लिए एक बड़ा बोझ है। चूंकि भारत एक बड़ा देश है इसलिए वहां उन्हें समायोजित किया जा सकता है। लेकिन हमारे देश में 11 लाख रोहिंग्या हैं। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय और अपने पड़ोसी देशों के साथ भी विचार-विमर्श कर रहे हैं, उन्हें भी कुछ कदम उठाने चाहिए ताकि वे घर वापस जा सकें।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए विस्थापित समुदाय की देखभाल करने की कोशिश की है। मानवीय आधार पर हम उन्हें आश्रय देते हैं और सब कुछ प्रदान करते हैं लेकिन इस कोरोना महामारी के दौरान, हमने सभी रोहिंग्या समुदाय का टीकाकरण किया। पीएम शेख हसीना ने कहा कि, रोहिंग्या प्रवासी कब तक यहां रहेंगे? वे शिविरों में रह रहे हैं। कुछ लोग नशीले पदार्थों की तस्करी या कुछ हथियारों के टकराव, महिला तस्करी में लिप्त हैं और ये घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इसलिए जितनी जल्दी वे स्वदेश लौटते हैं यह हमारे देश के लिए और म्यांमार के लिए भी अच्छा है। पीएम शेख हसीना ने कहा कि इसलिए हम उन्हें स्वदेश भेजने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम उनके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय, जैसे आसियान या यूएनओ और अन्य देशों के साथ चर्चा कर रहे हैं। बांग्लादेश की प्रधान मंत्री ने कहा कि उनके देश ने रोहिंग्याओं को शरण देने की पेशकश की थी जब वे कई तरह की परेशानियों का सामना कर रहे थे। लेकिन अब उन्हें अपने देश वापस जाना चाहिए। मुझे लगता है कि भारत एक पड़ोसी देश के रूप में इसमें एक बड़ी भूमिका निभा सकता है।

अमेरिका-भारत के बीच वैश्विक साझेदारी को प्रगाढ़ करने टू प्लस टू अंतरसत्रीय बैठक दिल्ली में अगले सप्ताह

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका-भारत के बीच व्यापक भागीदारी के लिए वॉशिंगटन डीसी के वरिष्ठ अधिकारियों का एक समूह टू प्लस टू अंतरसत्रीय बैठक और समुद्री सुरक्षा वार्ता में भाग लेने के लिए अगले सप्ताह भारत दौरे पर आएगा। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह कार्यक्रम पांच से आठ सितंबर तक चलेगा। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू करेंगे। मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इसका उद्देश्य अमेरिका-भारत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को प्रगाढ़ करना है।

10 दिन बाद धरती के निकट से गुजरेगा उल्कापिंड, पृथ्वी के गुरुत्व ने खींचा तो मच सकती है तबाही

वाशिंगटन (ईएमएस)। कई बार आपने खबर पढ़ी होगी कि दुनिया समाप्त होने वाली है। इसकी वजह बताई जाती है उल्कापिंड से होने वाली टक्कर। ऐसे कई डेट्स आए और गए, जिसमें दुनिया के खत्म होने की बात कही जाती थी। लेकिन आखिरी वक्त में खतरा टल जाने से दिक्कत नहीं आई। एक बार फिर वैज्ञानिकों ने ऐसी ही भविष्यवाणी की है। सितंबर माह में एक विशाल उल्कापिंड से धरती के पास से गुजरने की संभावना है। कहा जा रहा है कि दो हफ्ते बाद धरती के बेहद नजदीक से एक विशालकाय पत्थर गुजरेगा।

जानकारी के मुताबिक़, इस पत्थर का साइज बिग बेन टावर, जो दुनिया का सबसे बड़ा टावर है, उससे भी ज्यादा होगा। इसे वैज्ञानिकों ने 2008 आरडब्ल्यू नाम दिया है। यह पत्थर कई सालों से चक्कर लगा रहा है। हर तीन से चार हफ्ते में ये धरती के नजदीक से होकर गुजरता है। लेकिन इस बार वह जरुरत से ज्यादा ही नजदीक से गुजरने वाला है। अगर धरती के गुरुत्वाकर्षण ने इसे अपनी और खींच लिया, तो यह बड़ी तबाही का कारण बन जाएगा।

वैज्ञानिकों के मुताबिक़, 2008 आरडब्ल्यू धरती के बेहद करीब से गुजरने वाला है। गणित के मुताबिक़, 13 सितंबर को रात के 1 बजकर 50 मिनट पर 2008 आरडब्ल्यू करीब 10 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ़्तार से गुजरेगा। धरती से इसकी दुरी 6.17 मिलियन किलोमीटर होगी, जो धरती द्वारा गुरुत्वाकर्षण से खींचने के लिए काफी है। काफी ज्यादा संभावना है कि धरती का गुरुत्व इसे अपनी ओर खींच ले।

अभी तक यह कन्फर्म नहीं है कि अगर यह धरती से टकराया तो टक्कर कहां होगी। नासा लगातार इसपर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों ने 2008 आरडब्ल्यू के बारे में बताया कि इसकी खोज सबसे पहले 2 सितंबर 2008 को हुई थी। एक हजार तेईस दिन में ये सूरज का चक्कर लगा लेता है। अभी तक कई बार यह पृथ्वी के पास से गुजर चुका है, लेकिन इस बार यह पृथ्वी के काफी निकट से गुजर रहा है। इसी वजह से टक्कर की आशंका जताई जा रही है।

रूस को तोड़ने का अमेरिकी सपना सर्व विनाश की ओर ले जाएगाः मेदवदेव

- वर्ष 2008 से 2012 तक रूस के राष्ट्रपति थे मेदवदेव

मॉस्को (ईएमएस)। रूस के एक अधिकारी ने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर आरोप लगाया कि वे देश को तोड़ने के लिए प्रोत्साहन रहे हैं। उन्होंने आगाह किया कि इस तरह की कोई भी प्रयास सर्व विनाश की ओर ले जाएगा। रूसी सुरक्षा परिषद के उप सचिव दिमित्री मेदवदेव ने पश्चिम को चेतावनी दी कि रूस को विघटन की ओर धकेलने की कोई भी कोशिश मौत से खेलने जैसी साबित होगी। रूसी सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष स्वयं राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हैं। मेदवदेव वर्ष 2008 से 2012 तक रूस के राष्ट्रपति थे। उस समय कार्यकाल की सीमा के कारण पुतिन को प्रधानमंत्री पद संभालना पड़ा था। मेदवदेव को पश्चिमी देश पुतिन के मुकाबले अधिक उदार मानते हैं। हालांकि, ?पिछले महीनों में उन्होंने जिस तरह से विभिन्न मुद्दों पर टिप्पणी की है, उससे वह क्रेमलिन के अन्य अधिकारियों से कहीं अधिक कठोर प्रतीत होते हैं। माना जा रहा है कि उनका रुख पुतिन के प्रति अधिक निष्ठावान साबित करने की कोशिश है। मेदवदेव ने पूर्व सोवियत संघ नेता मिखाइल गोर्बाचेव की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के बाद अपने मैसेजिंग ऐप चैनल पर की गई पोस्ट में वर्ष 1991 के सोवियत संघके विघटना का संदर्भ देते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका और उसके साझेदार रूस को भी विभाजित करने की साजिश रच रहे हैं।

मेदवदेव ने आरोप लगाया कि पश्चिम में मौजूद कुछ लोग यूक्रेन में जारी सैन्य संघर्ष का लाभ नए सिरे से देश को विघटन की ओर धकेलने में उठा सकते हैं। वे रूस की संस्थाओं को निष्क्रिय करने और देश पर प्रभावी नियंत्रण को कमजोर करने के लिए सबकुछ कर सकते हैं, जैसा वर्ष 1991 में हुआ। उन्होंने कहा ?कि ऐसे विकृत लोग हैं जो गंदे सपने देखते हैं, जो हमारे देश को तोड़ने के गुप्त विचार के साथ सोने जाते हैं और सोचते हैं कि कैसे हमें खंडित कर दें और टुकड़ों में बांट दें। ऐसी कोई भी कोशिश बहुत ही खतरनाक होगी और इसे कमतर कर नहीं आंकना चाहिए। ऐसा सपना देखने वाले इस बात को नजर अंदाज करते हैं कि पमराणु शक्ति को खंडित करना हमेशा मौत से खेलना होता है, जिसमें तय होता है कि शह और मात कब होगी, जो मानवता के लिए सर्व विनाश का दिन होगा। उन्होंने अपने संदेश के अंत में लिखा कि रूस के परमाणु अस्त्र, महान रूस की सुरक्षा के लिए सर्वोत्तम गारंटी है।

अमेरिका ने दिया चीन को झटका, एआई चिप का निर्यात को बंद किया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के मध्य चल रहे तनाव के बीच अमेरिकी बाइडन सरकार ने अत्याधुनिक चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया कॉर्प और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज इंक जैसी दिग्गज अमेरिकी कंपनियों को चीन में एआई चिप का निर्यात बंद करने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के दांव से चीन के ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े सभी प्रोजेक्ट्स पर ब्रेक लग सकता है। हालांकि इस रोक से अमेरिकी कंपनियों को भी काफी नुकसान झेलना पड़ गया है। निर्यात बंद करने की घोषणा के कुछ घंटों में ही एनवीडिया के शेयर 6.6 फीसदी तक गिरे। कंपनी ने कहा कि प्रतिबंध के कारण मशीन लर्निंग के कार्यों को गति देने के लिए डिजाइन किए गए ए 100 और एच 100 चिप के विकास पर प्रभाव पड़ेगा। साथ ही इस साल घोषित फ्लैगशिप चिप एच 100 के विकास में भी बाधा आ सकती है। इस प्रतिबंध के चलाते एनवीडिया की प्रतिद्वंद्वी कंपनी एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज इंक के शेयर भी 3.7 प्रतिशत तक गिर गए हैं।

एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज के प्रवक्ता ने बताया कि नए नियम कंपनी के एमआई 250 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप को चीन में निर्यात करने से रोक देगा, लेकिन इससे एमआई 100 चिप्स प्रभावित नहीं होगी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक नए नियमों के कारण अब इस आशंका पर पूर्ण विराम लगेगा, कि चीन इन अत्याधुनिक चिप का इस्तेमाल सैन्य कार्यों में कर पाएगा। इससे पहले अमेरिकी प्रशासन को कई इनपुट मिले थे कि चीन एआई चिप को अपनी मिलिट्री के लिए यूज कर रहा है। चीन में एआई चिप के प्रतिबंध पर अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह एडवांस्ड टेक्नोलॉजी को गलत हाथों में जाने से रोकने का एक प्रयास है। अधिकारियों ने बताया कि यह फैसला अमेरिका की सुरक्षा और विदेश नीति को ध्यान में रख कर लिया गया है।

नासा का मून मिशन लॉन्च फिर टला, एक हिस्से में आई गड़बड़ी

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का मून मिशन लॉन्च प्रोग्राम एक बार फिर टल गया है। नासा के इस महत्वाकांक्षी नये चंद्र रॉकेट से शनिवार को उस समय फिर से खतरनाक रिसाव हुआ, जब इसके परीक्षण की अंतिम तैयारियों के लिए इसमें ईंधन भरा जा रहा था। परीक्षण दल ने इस सप्ताह अपनी दूसरी कोशिश के तहत, नासा के अब तक के सबसे शक्तिशाली 322 फुट लंबे रॉकेट में 10 लाख गैलन ईंधन भरना शुरू किया था, लेकिन इसमें रिसाव शुरू होने लगा। इससे पहले सोमवार को की गई कोशिश में इंजन का खराब सेंसर और ईंधन रिसाव के कारण समस्या पैदा हुई थी। नासा के 'लॉन्च कंट्रोल' ने बताया कि जैसे ही सूर्योदय हुआ, अति-दबाव का अलार्म बज गया और ईंधन टंकी भरने के अभियान को कुछ समय के लिए रोक दिया गया, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ और फिर से प्रयास किया गया। बहरहाल, कुछ मिनट बाद, रॉकेट के निचले हिस्से में इंजन के क्षेत्र से हाइड्रोजन ईंधन का रिसाव होने लगा। इसके बाद नासा ने अभियान रोक दिया और नासा के इंजीनियर ने सील के पास एक छेद को बंद करने की जद्दोजहद की। रॉकेट के दोपहर में उड़ान भरने के लिए उलटी गिनती शुरू हो गई थी और इसके लिए नासा के पास शनिवार को दो घंटे का समय था।

नासा रॉकेट के जरिये चंद्रमा के आसपास 'क्रू कैप्सूल' भेजना चाहता है और इसके बाद अंतरिक्ष यात्रियों को अगली उड़ान से चांद पर भेजने की योजना है। यदि पुतलों के साथ 'कैप्सूल' के परीक्षण का पांच सप्ताह का प्रदर्शन सफल रहता है, तो अंतरिक्ष यात्री 2024 में चंद्रमा के लिए उड़ान भर सकते हैं और 2025 में उस पर पहुंच सकते हैं। आखिरी बार 50 साल पहले अंतरिक्ष यात्री ने चंद्रमा पर चहलकदमी की थी।

मौसम वैज्ञानिकों ने शनिवार को परीक्षण के लिए निर्धारित किए गए दो घंटे के समय में 'केनेडी स्पेस स्टेशन' पर मौसम अनुकूल रहने का अनुमान जताया था। इसके अलावा, रॉकेट के प्रमुख इंजीनियर ने ईंधन आपूर्ति की दुरूस्त की गई लाइन और प्रक्रियात्मक बदलावों पर भरोसा जताया था। यह अंतरिक्षयान 322 फुट या 98 मीटर लंबा है, जो नासा द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे ताकतवर रॉकेट है और अपोलो कार्यक्रम के अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा तक ले जाने वाले सैटर्न-5 से भी शक्तिशाली है।

इससे पहले, सोमवार को अंतिम तैयारियों के दौरान ईंधन के रिसाव और फिर एक इंजन में खामी आने की वजह से इसके निर्धारित परीक्षण को टालना पड़ा था। इस रॉकेट के परीक्षण को देखने के लिए हजारों लोग समुद्र तट के पास जमा हुए थे। अब जब भी यह प्रक्षेपण होगा, तो यह नासा के 21वीं सदी के चंद्रमा अन्वेषण कार्यक्रम के तहत यह पहली उड़ान होगी। इसका नाम यूनानी पौराणिक मान्यता के अनुसार अपोलो की जुड़वां बहन आर्टेमिस के नाम पर रखा गया है।

पांच महीने पहले बनवाया गया पैजामा-कुर्ता पहनकर लोग रेवडियां बांट रहे हैं : अमित शाह

-केन्द्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद में चार स्मार्ट स्कूलों को किया ई-लोकार्पण

-कहा- सार्वजनिक शिक्षा व प्राथमिक शिक्षा के विषय में गुजरात पूरे देश में रोल मॉडल

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव निकट आते ही सियासी बयानबाजी तेज हो गई हैं। अहमदाबाद आए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आम आदमी पार्टी (आप) का नाम लिए बगैर उस पर कड़े प्रहार किए। उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक दल ऐसा है जो लोगों के हित में काफी मेनहत कर रहा है। वहीं दूसरा राजनीतिक दल ऐसा है जो पांच महीने पहले बनवाया गया नया पैजामा-कुर्ता पहनकर रेवडियां बांट रहा है। अमित शाह ने कांग्रेस को आडे हाथ लेते हुए कहा कि चुनाव आते ही वह फिर एक बार जातिवाद की बात करेगी और बड़े बड़े वादे करेगी। यह कांग्रेस की पुरानी आदत है और जनता भी उसे जानती है। शाह ने युवाओं से कांग्रेस और भाजपा के शासनकाल की तुलना कर गुजरात अशांत हो ऐसी गलती नहीं करने की अपील की और कहा कि अपने बुजुर्गों से पूछ लेना कि कांग्रेस का शासन कैसा था तथा मौजूदा शासन कैसा है। भाजपा इस बार हिन्दुत्व के मुद्दे पर पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है और इसकी एक झलक अमित शाह के कार्यक्रम में देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान समारोह जय श्री राम के जयघोष से गूंझ उठा। अमित शाह का स्वागत भी जय श्री राम, जय श्री राम के जयघोष के साथ ही किया गया। रविवार को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से रविवार को अहमदाबाद में नवा वाडज से 4 अनुपम विद्यालयों (स्मार्ट स्कूलों) का ई-लोकार्पण किया गया। अहमदाबाद महानगर पालिका तथा नगर प्राथमिक शिक्षा समिति-अहमदाबाद ने 9.54 करोड़ रुपए की लागत से इन 4 अनुपम विद्यालयों का निर्माण किया है। शाह व श्री पटेल ने इस अवसर पर गांधीनगर विद्यालय संख्या 2, नारणपुरा गुजराती विद्यालय संख्या 6, घाटलोडिया विद्यालय संख्या 2 एवं थलतेज विद्यालय संख्या 2 का लोकार्पण किया। ई-लोकार्पण के बाद शाह, श्री पटेल व महानुभावों ने गांधीनगर विद्यालय संख्या 2 पहुँच कर स्मार्ट स्कूल को देखा। इससे पहले ई-लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि बच्चों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एवं आधुनिक पद्धतिपूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के लिए आरंभ किए गए अनुपम विद्यालय वास्तव में राज्य में स्थापित उच्च शिक्षा विद्यालय का प्रमाण देते हैं। कुल 22 अनुपम विद्यालयों का कार्य पूर्ण हुआ है, जिनमें से रविवार को 4 का लोकार्पण किया गया है। इनका लाभ महानगर के निर्धन तथा मध्यम वर्गों के लगभग 3200 बच्चों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 20 वर्षों से गुजरात का निरंतर विकास हो रहा है। शाह ने स्पष्ट रूप से कहा कि गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की जनकल्याण योजनाओं तथा योजनागत कोष का सुचारु क्रियान्वयन-एग्ज़ीक्यूशन हो रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात प्रत्येक क्षेत्र में जनकल्याण व जनसहायता की अनेक योजनाओं के सुचारु क्रियान्वयन के माध्यम से समग्र देश में विकास का मॉडल बना है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि राज्य में भाजपा के शासन से पहले प्राथमिक शिक्षा में ड्रॉपआउट रेशियो 37 प्रतिशत था, जो भाजपा शासन के बाद घट कर 3 प्रतिशत से नीचे आ गया है। पूर्व में हर 100 में से 67 बच्चे ही स्कूल में एडमिशन लेते थे यानी 40 प्रतिशत बच्चों को ही प्राथमिक शिक्षा मिलती थी, जबकि आज यह प्रतिशत 95 तक पहुँचा है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा वर्तमान दूरदृष्टा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों और शिक्षा क्षेत्र में प्रवेशोत्सव, गुणोत्सव, कन्या शिक्षा, टीचर्स ट्रेनिंग जैसे नूतन दृष्टिकोणों के कारण आज गुजरात शिक्षा क्षेत्र में समग्र देश में उदाहरणीय है। सार्वजनिक शिक्षा व प्राथमिक शिक्षा के विषय में गुजरात पूरे देश में रोल मॉडल बना है। केन्द्र तथा राज्य की डबल इंजन सरकार यह भली-भाँति जानती है कि बच्चों की शिक्षा का स्तर ऊपर कैसे लाना है ? केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि राज्य में स्थापित सुदृढ़ क़ानून-व्यवस्था के कारण आज के गुजरात के युवाओं को यह मालूम नहीं है कि कर्फ़्यू यानी क्या ?राज्य में कहीं किसी साम्प्रदायिक दंगे या दहशत की स्थिति नहीं है। आज राज्य की बेटियाँ खुलेआम कहीं भी, किसी भी समय घूम-फिर सकती हैं;जो राज्य की उत्तम सुरक्षा व्यवस्था का प्रमाण है। श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात की शासन धुरा संभालने के बाद शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, उद्योग, सुरक्षा, ऊर्जा सहित सभी क्षेत्रों में विकास की अविरत यात्रा आरंभ की थी। आज गाँवों में चौबीस घण्टे थ्री फेज़ बिजली मिलती है। गुजरात की 20 वर्षों से चल रही अविरत विकास यात्रा आगे भी इसी प्रकार चलती रहेगी। इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

गुजरात की जेलों में अनेक सुधार कर उन्हें सफल प्रशिक्षण केन्द्रों में रूपांतरित किया गया है : मुख्यमंत्री

- अनुपम विद्यालय विभिन्न डिजिटल प्रोजेक्ट व मॉडल के साथ शिक्षा प्रदान कर बच्चों का सर्वग्राही विकास करते हैं

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार द्वारा अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन से गुजरात देश का ग्रोथ इंजन बना है। पटेल ने कहा कि राज्य का प्रत्येक बालक आगामी समय में वैश्विक स्तर पर क़दम मिला सके तथा प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रहे; इसके लिए आज शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व आयाम क्रियान्वित किए गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल अहमदाबाद में 4 स्मार्ट स्कूलों के ई लोकार्पण के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अनुपम विद्यालय (स्मार्ट स्कूल) ऐसा ही एक सोपान है, जो बच्चों को बोझ रहित खेलते-कूदते पढ़ाने में सक्षम विभिन्न डिजिटल प्रोजेक्ट और मॉडल के साथ शिक्षा प्रदान कर सर्वग्राही विकास करने को संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि कुल 20 अनुपम विद्यालय तैयार हो गए हैं तथा और 63 अनुपम विद्यालय नवम्बर तक आरंभ करने का आयोजन किया गया है। आगामी दिवसों में लगभग 1.5 लाख बच्चों को अनुपम विद्यालयों का लाभ मुहैया कराने का आयोजन किया गया है। कुल 83 अनुपम विद्यालयों के माध्यम से अहमदाबाद एवं गांधीनगर के निर्धन व मध्यम वर्गों के बच्चों को अत्याधुनिक शिक्षा सुविधाओं के साथ गुणवत्तायुक्त आधारभूत शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का प्रथम विश्व स्तरीय विद्या समीक्षा केन्द्र गुजरात के पास है, जिसके माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में रीयल टाइम ऑनलाइन मॉनिटरिंग द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में उत्तरोत्तर वृद्धि की जा सकती है। इस समीक्षा केन्द्र में विद्यार्थियों व विद्यालयों से संबंधित डेटा, मशीन लर्निंग और आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के बिग डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से लगभग 500 करोड़ डेटा सेट्स का मीनिंगफ़ुल एनालिसिस किया जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य व केन्द्र सरकार के शिक्षा क्षेत्र में किए गए सन्निष्ठ प्रयासों के कारण आज निजी विद्यालयों से सरकारी विद्यालयों में प्रवेश लेने का रिवर्स ट्रेंड शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अहमदाबाद में 5900 बच्चों ने निजी स्कूल छोड़ कर सरकारी विद्यालय में प्रवेश लिया है, जबकि पिछले 8 वर्षों में 41 हज़ार से अधिक बच्चे निजी स्कूल से सरकारी स्कूलों में आए हैं। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सांसद अमित शाह अपने संसदीय क्षेत्र को अनुपम विद्यालयों के उपरांत उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं, पक्की सड़कों, फ़्लाइओवर ब्रिज तथा मिशन मिलियन ट्री कैम्पेन के माध्यम से हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ देश का सर्वाधिक विकसित व हरियाला संसदीय क्षेत्र बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। स्मार्ट क्लास, मैथ्स एंड साइंस लैब, फ़्यूचर क्लासरूम, 3डी एजुकेशनल चार्ट्स, ज्वॉयफ़ुल लर्निंग क्लास, फ़ेंसी बेंचेस, शू रैक, फ़्यूचर क्लासरूम के लिए लॉकर्स, कलरफ़ुल इनडोरमैट, मल्टीमीडिया व्हाइट बोर्ड, स्पोर्ट्स किस, फ़ायर बॉल, प्ले ग्राउंड इक्विपमेंट्स, स्मार्ट लाइब्रेरी, वीडियो ऑन डिमांड, प्रज्ञा अभिगम, ज्ञान कुंज, 3डी पेंटिंग्स, स्टेम एंड रोबोटिक लैब, एलईडी टीवी सहित सभी प्रकार की अत्याधुनिक शिक्षा सुविधाएँ।

देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा के लिए जेल प्रशासन महत्वपूर्ण अंग है : अमित शाह

- केन्द्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद में 'छठी ऑल इंडिया प्रिज़न डयूटी मीट 2022' का उद्घाटन किया

- राज्य की जेलों में अनेक सुधार कर उन्हें सफल प्रशिक्षण केन्द्रों में रूपांतरित किया गया है : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात में आयोजित हो रही 'छठी ऑल इंडिया प्रिज़न डयूटी मीट 2022' का रविवार को अहमदाबाद में काँकरिया स्थित ट्रांसस्टेडिया से शुभारंभ कराते हुए कहा कि जेल प्रशासन सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने का महत्वपूर्ण अंग है। ऐसे में जेल सुधारों तथा उनके माध्यम से क़ैदियों का पुनर्वास होना भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान केन्द्र सरकार ने जेल सुधारों को अग्रिमता दी है। इस तीन दिवसीय 'छठी ऑल इंडिया प्रिज़न डयूटी मीट 2022' में 19 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के 1031 जेल अधिकारी-कर्मचारी विभिन्न 18 प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। मीट का उद्घाटन करते हुए शाह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व में लागू जेल मैनुअल के स्थान पर वर्ष 2016 में मॉडल जेल मैनुअल कार्यान्वित किया है। यद्यपि देश के 11 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों ने इसे लागू किया है। देश के सभी राज्य सुधारात्मक विषयों को समाए हुए इस मॉडल जेल मैनुअल को अपनाएँ, तो क़ैदियों के पुनर्वास का परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन हो सकेगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार आगामी 6 माह में मॉडल एक्ट लाएगी तथा इससे देश की सभी जेलों में अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। उन्होंने जेलों के प्रति अलग दृष्टिकोण अपनाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि हर राज्य व ज़िले में अदालतों द्वारा मामलों के निपटान के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस की सुविधा का होना समय की मांग है। साथ ही साथ नारकोटिक्स एवं कट्टर आपराधिक मानसिकता से ग्रस्त बंदियों को अलग रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जेल में अधिक संख्या में क़ैदी होना उचित स्थिति नहीं है। ऐसे में हम जेल नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इस मीट की सराहना करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि ब्यूरो ऑफ़ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरएन्डडी) देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण इकाई है। ऐसे में इस इकाई द्वारा आयोजित यह मीट जेलों के अधिकारियों-कर्मचारियों की सकारात्मक प्रतियोगिता एवं खेल भावना विकसित करने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि हर क़ैदी जन्म से अपराधी नहीं होता है, परंतु संयोगवश किए गए अपराध के कारण जेल की सज़ा भोगता है। क़ैदियों के साथ सद्भावनापूर्ण व्यवहार भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ़िट इंडिया का मंत्र दिया है। ऐसे में जेल प्रशासन भी इस प्रकार की मीट आयोजित कर फ़िट इंडिया के मंत्र को साकार करने को कटिबद्ध है। गुजरात के अतिथि बने विभिन्न राज्यों के जेल अधिकारियों-कर्मचारियों का स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी एवं सोमनाथ-द्वारका की यात्रा करने का आह्वान करते हुए अमित शाह ने कहा कि इस मीट में सहभाग हुए सभी लोगों के लिए यात्रा की व्यवस्था गुजरात सरकार करेगी। साथ ही उन्होंने आयोजन को प्रशासनीय बताते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को अभिनंदन दिया।

मीट को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में गुजरात राज्य पुलिस बल के जेल विभाग एवं भारत सरकार के बीपीआरएन्डडी के संयुक्त उपक्रम से यह छठी ऑल इंडिया प्रिज़न डयूटी मीट गुजरात में आयोजित हो रही है, जो गुजरात के लिए गौरव की बात है। पटेल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन का एक नया युग आरंभ हुआ है। इसके फलस्वरूप देश विकास की लंबी छलांग भगा रहा और पिछले 8 वर्षों से गुड गवर्नेंस का अनुभव कर रहा है। उन्होंने कहा कि सबके साथ, सबके विकास, सबके विश्वास व सबके प्रयास के मंत्र के साथ नरेन्द्र मोदी ने गुजरात एवं देश में सर्वांगीण विकास की कार्यसंस्कृति विकसित की है। इतना ही नहीं, मोदी ने जेल सुधार गतिविधियों को वेग देने के साथ देश के राज्यों के जेल अधिकारी-कर्मचारी भाइयों-बहनो के लिए कल्याणकारी दृष्टिकोण भी अपनाया है। इस मीट द्वारा जेल अधिकारियों-कर्मचारियों में स्पिरिट विकसित करने के साथ अनेकता में एकता का भाव भी उजागर करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि जेल में बंद क़ैदियों व उनकी देखरेख करने वाले कर्मचारियों-अधिकारियों के बीच सौहार्दपूर्ण एवं शांतिमय वातावरण के माध्यम से जेल सुधारों के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री ने विशिष्ट पहल की है। इतना ही नहीं, श्री शाह ने विभिन्न संस्थानों द्वारा क़ैदियों को प्रशिक्षण एवं टेक्नोलॉजी के इनोवेटिव उपयोग से प्रिज़न एडमिनिस्ट्रेशन की नई राह देश को दिखाई है। पटेल ने कहा कि गुजरात सरकार ने राज्य की जेलों में अनेक प्रभावी सुधार कर जेलों को सफल प्रशिक्षण केन्द्रों में रूपांतरित किया है। क़ैदियों के लिए ई-मुलाक़ात, ई-कोर्ट, ऑडियो लाइब्रेरी जैसी सुविधाएँ उपलब्ध बना कर क़ैदियो में संस्कार का प्रसार करने की विभिन्न गतिविधियों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रिज़न डयूटी मीट जैसी इवेंट जेल प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों में खेल भावना तथा परस्पर समन्वय की भावना का विकास करेगी। उन्होंने कहा कि जेल प्रबंधन की कार्यक्षमता में वृद्धि करने वाली प्रतियोगिताओं के आयोजन की गुजरात दूसरी बार मेज़बानी कर रहा है, जो गौरवपूर्ण है। इस अवसर पर अमित शाह के करकमलों से 20 कारागार प्रशिक्षण नियमावती तथा जेल कॉफ़ीटेबल बुक का अनावरण किया गया।

चीन की अर्थव्यवस्था हमारी अर्थव्यवस्था से चार गुना से ज्यादा, हमारी सोच प्रतिस्पर्धी होनी चाहिये

अहमदाबाद (ईएमएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा , ''चीन की अर्थव्यवस्था हमारी अर्थव्यवस्था से चार गुना से ज्यादा है। मुझे लगता है कि हमारी सोच नकारात्मक के बजाय प्रतिस्पर्धी होनी चाहिए।'

उन्होंने कहा कि भारत के समुद्री हितों के बारे में बातचीत करते समय हिंद महासागर के बारे में बात करना और प्रशांत महासागर के बारे में बात नहीं करना, सीमित सोच को दर्शाता है। भारत को सोचने के ऐतिहासिक तौर-तरीकों से आगे जाना होगा। जयशंकर ने कहा, ''हिंद-प्रशांत एक नयी रणनीतिक अवधारणा है जो दुनिया में चल रही है।''

अपनी पुस्तक 'द इंडिया वे: स्ट्रेटेजीस फॉर एन अनसर्टेन वर्ल्ड' के गुजराती अनुवाद के विमोचन समारोह में विदेश मंत्री ने कहा कि इस तरह का विचार एक तरह की हठधर्मिता है कि भारत को दूसरे देशों के मुद्दों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत को विश्वास प्रदर्शित करना चाहिए, जिसकी कि कमी है क्योंकि हमारी आदतें हमें रोकती हैं।

जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत की विदेश नीति में 'सबका साथ और सबका विश्वास' में 'अमेरिका को सहभागी बनाना, चीन को संभालना, यूरोप से संबंध बढ़ाना, रूस को समझाना और जापान को शामिल करना' निहित है।

उन्होंने कहा, ''अभी तक हम जब समुद्रों के बारे में सोचते हैं तो हिंद महासागर के बारे में ही सोचते हैं। यह हमारी सीमित सोच है। हमारा 50 प्रतिशत से अधिक व्यापार पूर्व की तरफ, प्रशांत महासागर की तरफ होता है। हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच केवल नक्शे पर रेखा है, लेकिन वास्तविकता में ऐसी कोई चीज नहीं है।''

जयशंकर ने कहा, 'हमें हमारी सोच में शामिल ऐतिहासिक नजरिये से परे सोचना चाहिए, क्योंकि हमारे हित बढ़े हैं। हिंद-प्रशांत इस दुनिया में एक नयी रणनीतिक अवधारणा है।'' चीन के संदर्भ में उन्होंने कहा कि उसकी प्रगति से तथा भारत और उसके हितों पर उसके प्रभाव से सीखना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''चीन हमारा पड़ोसी देश है और एक तरीके से यह हमारा बड़ा पड़ोसी देश है। अगर हम इसकी शक्ति को, इसकी अर्थव्यवस्था को देखें, इसके विकास को देखें तो यह हमारा सबसे बड़ा पड़ोसी है। हमें यह भी देखना होगा कि उसकी प्रगति में और हम पर, हमारे हितों पर उसके प्रभाव में हमारे लिए कोई सबक तो नहीं है।''

राहुल गांधी आज अहमदाबाद में, कांग्रेस के बूथ कार्यकर्ताओं को करेंगे संबोधित

अहमदाबाद (ईएमएस) कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी कल गुजरात आ रहे हैं। सोमवार को अहमदाबाद के रिवरफ्रंट पर परिवर्तन संकल्प का आयोजन किया गया है। जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, लचर होती कानून व्यवस्था, ड्रग्स के काले कारोबार समेत राज्य की जनता की आवाज बुलंद करने और कांग्रेस का गुजरात में सुशासन के निश्चय के बात को लेकर राहुल गांधी सुबह 11 बजे कांग्रेस के बूथ कार्यकर्ताओं के साथ सीधे संवाद करेंगे। परिवर्तन संकल्प सम्मेलन के बाद राहुल गांधी साबरमती आश्रम जाएंगे। जहां दोपहर 2 बजे आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल होंगे और गांधी जी श्रद्धांजलि देंगे।

गुजरात में ड्रग्स के तार अफगानिस्तान से कनेक्ट हुआ

अहमदाबाद, ४ सितंबर ।

ड्रग्स मामले में गुजरात एटीएस ने और एक ऑपरेशन किया गया है । गुजरात एटीएस द्वारा मिली जानकारी के आधार पर दिल्ली से अफगानी शख्स की २० करोड़ रुपये के ड्रग्स के साथ गिरफ्तारी की गई है । गुजरात एटीएस को सूरत क्राइम ब्रांच द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर वादिउल्ला रहिमुल्ला नाम के अफगानी शख्स की ४ किलो हेरोईन के साथ दिल्ली के वसंतकुंज क्षेत्र से गिरफ्तारी की गई है । गुजरात एटीएस द्वारा ड्रग्स के मामले में और एक सफलता हासिल करके गुजरात बाहर से भी ड्रग्स के कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया है और २० करोड़ से ज्यादा रकम का माल भी जब्त किया गया है । उल्लेखनीय है कि, इसके पहले शनिवार को ३ सितंबर को दिल्ली पुलिस ने दो करोड़ का हेरोईन जब्त किया है । क्राइम ब्रांच ने दिल्ली के ट्रांस यमुना के निवासी दो ड्रग्स तस्करों की गिरफ्तारी की गई थी । उनके पास से श्रेष्ठ गुणवत्तावाली १.३ किलो हेरोईन जब्त किया गया है । पुलिस के बताये अनुसार यह हेरोईन दिल्ली-एनसीआर में पहुंचाना था । मनीष और टिंकु नाम के दो युवकों की ड्रग्स तस्कर के तौर पर पहचान हुई है । ड्रग्स मामले में गुजरात के तार सीधा अफगानिस्तान के साथ कनेक्ट हो रहा है । तालिबान में सत्ता पलटने पर ही ड्रग्स का व्यापार बढ़ा हो ऐसा लगता है । अफगानिस्तान से कार्गो भरकर ड्रग्स का सप्लाई हो रहा है । जिसका नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ है । दूसरी तरफ, ड्रग्स माफियाओं के लिए जैसे गुजरात होट फेवरिट स्पोट बन गया हो मेफेड्रोन ड्रग्स घुसाया जा रहा है । गुजरात में पकड़े गये ड्रग्स के आंकड़े ड्रग्स माफियाओं के नेटवर्क का पर्दाफाश करता है । जिसमें अहमदाबाद ड्रग्स का हब बन गया है । अभी तक में चालू वर्ष में १०० से ज्यादा ड्रग्स पेडलर अहमदाबाद से गिरफ्तार हुए हैं । गुजरात का अहमदाबाद शहर ड्रग्स के नेटवर्क का हब बन गया है । वर्ष २०२२ में चालू वर्ष में किए गए एनडीपीएस केस के चौंकाने वाला आंकड़े सामने आये हैं ।

भादरवी पूनम के मेले की वजह से ४५ स्कूलों में छुट्टी घोषित हुई

अंबाजी, ४ सितंबर ।

यात्राधाम अंबाजी अब भादरवी पूनम का मेला शुरू होगा । अब भादरवी पूनम के महामेला को लेकर अंबाजी सहित दांता तहसील की ४५ शैक्षणिक संस्थाओं में मिनी वेकेशन घोषित किया गया है । अंबाजी में लगता भादरवी पूनम के मेले के दौरान कानून और व्यवस्था बनाये रखने के लिए हजारों की संख्या में आते सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं । यह सुरक्षा कर्मियों को रहने के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह स्कूलों का उपयोग किए जाते होने से यह स्कूलों में आज से छुट्टी घोषित की गई है । सभी स्कूलों में आज से १० सितंबर तक छुट्टी घोषित की गई है । यात्राधाम अंबाजी में शुरू हो रहे भादरवी पूनम के महामेले को लेकर अंबाजी सहित दांता तहसील की ४५ शैक्षणिक संस्थाओं में मिनी वेकेशन घोषित किया गया है । अंबाजी में लगता भादरवी पूनम के मेले में सुरक्षा सबसे पहले जरूरी है । जिसके लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मचारी तैनात किए जाते हैं । यह सुरक्षा कर्मचारियों को रहने के लिए शैक्षणिक संस्था का उपयोग किया जाता है । इसी वजह से भादरवी पूनम का मेला जहां तक चलता है तब तक यह स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी जाती है । विद्यार्थियों के लिए यह एक मिनी वेकेशन जैसा बन गया है । दांता तहसील में मेले के बंदोबस्त को लेकर ४५ जितनी स्कूलों का उपयोग किया जाता है । सभी स्कूलों में ३ सितंबर से १० सितंबर तक स्कूलों में शैक्षणिक कार्य बंद रखकर स्कूलों को सूचना दी गई है । अब सुरक्षा कर्मचारियों की व्यवस्था के लिए प्रशासन को सौंप देने के लिए कहा गया है । जिला शिक्षा अधिकारी के भेजे गये पत्र के अनुसार, यह सभी स्कूलों में आज से १० सितंबर तक छुट्टी घोषित की गई है । इतना ही नहीं अंबाजी में लगता मेले के दौरान लाखों की संख्या में आते यात्रियों के बीच अभिभावक भी अपने छोटे बच्चों को स्कूल में नहीं भेजते हैं । जिसे लेकर भी स्कूलों में बंद जैसा माहौल ही होता है ।

अंबाजी के नजदीक हुए हादसे में जान गंवाने वालों को मोरारीबापू की सहाय

प्रति वर्ष भादरवी पूनम के मेले में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मा अम्बाजी के दर्शन करने जाते हैं। इस साल भी बड़ी संख्या में लोग मां के दर्शन करने गए हैं। वहीं गजरोज अरवल्ली के मालपुर के निकट से जा रहे दाहोद और पंचमहल जिले के पैदल यात्रियों को एक इनोवा कार ने जोरदार टक्कर मार दी थी। इस हादसे में छह राहगीरों की मौत हो गई थी। अत्यंत दुखद इस घटना में अन्य यात्री भी घायल हुए हैं।

इस घटना में जान गंवाने वाले छह यात्रियों के लिए पूज्य मोरारीबापू की ओर से श्री हनुमानजी सांत्वना स्वरूप पांच-पांच हजार रुपए की सहायता राशि भेजी जा रही हैं। अहमदाबाद स्थित रामकथा के श्रोताओं द्वारा कुल 30 हजार रुपये की सहाय राशि मृतकों के परिजनों को भेजी जाएगी। पूज्य बापू ने सभी मृतकों के निर्वाण के लिए प्रार्थना की है और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

बहनों के लिए औऱ टिकट दिलाने पऱ विचाऱ कऱ ऱहे हैं मोदीजी

भावनगर, ४ सितंबर ।

विधानसभा चुनाव के लिए अपने भावनगऱ दौऱे के दूसऱे दिन सीआऱ पाटिल ने विभिन्न नेताओं से बातचीत की । आज कार्यक्रम के आखिऱी दिन पाटिल ने कई बैठकें कीं । इस मौके पऱ सीआऱ पाटिल ने साधु संतों, महंतों औऱ कलाकाऱों से बातचीत की । सीआऱ पाटिल ने इस मौके पऱ कहा कि प्रधानमंत्री महिलाओं के लिए औऱ टिकट दिलाने पऱ विचाऱ कऱ ऱहे हैं । पाटिल ने सुझाव दिया कि महिला कामगाऱों को अपने सुझाव बंद लिफाफे में भेजने चाहिए । महिला अधिवेशन में सीआऱ पाटिल ने कहा, बीजेपी ही एक ऐसी पार्टी है जिसने विधानसभा औऱ लोकसभा में कई महिलाओं को टिकट दिया है । इस बाऱ भी मिस्टऱ मोदी बहनों के लिए औऱ टिकट दिलाने पऱ विचाऱ कऱ ऱहे हैं । पाटिल ने कहा कि पीएम मोदी ऱाज्य में लड़कियों की घटती संख्या से चिंतित हैं इसलिए उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना जैसी कई योजनाएं लागू की हैं । गुजऱात में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक हैं, कई जिलों के तालुकों में बैठकें शुरू हो गई हैं । बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीआऱ पाटिल फिलहाल भावनगऱ में हैं, वहीं उन्होंने भावनगऱ के शाही पऱिवाऱ से मुलाकात की । दिल्ली के मुख्यमंत्री अऱविंद केजऱीवाल के बाद अब पाटिल उनसे मिलने पहुंचे हैं । युवऱाज जयवीऱऱाज सिंह के साथ भावनगऱ में अभिवादन बैठक में शिक्षा मंत्री जीतू वघानी, प्रदेश भाजपा के नेता भी मौजूद ऱहे । सीआऱ पाटिल ने जिलाध्यक्ष मुकेश लांगलिया के विशेध पऱ भी सफाई दी । उन्होंने कहा, हम सिर्फ इस बात की जांच कऱेंगे कि क्या मुकेश भाई को बदनाम कऱने की साजिश है या यह सच है । गीता कोटऱ ने द्वाऱका में अनशन क्यों शुरू किया यह भी जांच का विषय है । सीआऱ पाटिल ने यह भी सवाल उठाया कि गीता ने भावनगऱ या गांधीनगऱ में उपवास क्यों नहीं किया ।

विकास के मार्ग पर तीव्र गति से बढ़ रहे गुजरात को और अधिक विकसित बनाना है : मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि गुजरात के सभी समाजों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास व सबका प्रयास' के मंत्र का अनुकरण कर आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों से विकास के मार्ग पर तीव्रतम् गति से आगे बढ़ रहे गुजरात को और अधिक विकसित बनाना है। पटेल रविवार को गांधीनगर में आयोजित गुर्जर क्षत्रिय कडिया समाज के स्नेहमिलन समारोह में संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में सामाजिक अग्रणियों ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात सरकार ने सर्वांगीण विकास, सुशासन एवं सभी समाजों के उत्कर्ष की जो परिपाटी अपनाई है, उसके फलस्वरूप किसी भी समाज के कार्य रुके नहीं हैं और रुकने वाले भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के कठिन काल में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश एवं गुजरात का विकास रुका नहीं है और अर्थव्यवस्था को भी गतिशील बनाए रखा गया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में कोविड नियंत्रण हेतु उठाए गए क़दमों, कोरोना विरोधी टीकाकरण, निर्धन-मध्यम वर्गों के परिवारों को निःशुल्क राशन वितरण के किए गए कार्यों ने समग्र विश्व का ध्यानाकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि स्वच्छता मिशन, जल जीवन मिशन, हर घर तिरंगा जैसे अभियान सफल बना कर भारत ने अपनी शक्ति विश्व को दिखाई है। मुख्यमंत्री ने गुर्जर क्षत्रिय कडिया समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण की द्वारका नगरी के निर्माण में जिस समाज का योगदान माना जाता है, वह समाज आज 'आत्मनिर्भर गुजरात-सर्वोत्तम गुजरात' के निर्माण में वर्तमान सरकार का भली-भाँति सहयोगी बना है।

गुजरात ब्रेस्ट मीट, गैस्ट्रो-आंत्र ऑन्कोलॉजी सम्मेलन अहमदाबाद में हुआ

- देश भर के जाने-माने स्तन कैंसर विशेषज्ञ और ऑन्कोलॉजिस्ट इस जुड़वां बैठक में भाग ले रहे हैं

- विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चा का आयोजन, कैंसर प्रबंधन की चुनौतियां, सर्जरी में नवीनतम प्रगति

अहमदाबादः

चौथा गुजरात ब्रेस्ट मीट (GBM) और 5वां मिड-ईयर गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल ऑन्कोलॉजी सम्मेलन शनिवार को अहमदाबाद में शुरू हुआ। इस सम्मेलन में राज्य और देश के जाने-माने स्तन कैंसर विशेषज्ञ और ऑन्कोलॉजिस्ट भाग ले रहे हैं

वर्तमान जीवन शैली और दैनिक आहार की आदतों आदि सहित विभिन्न कारणों से विश्व स्तर पर स्तन कैंसर और गैस्ट्रो-आंत्र कैंसर का प्रसार बढ़ गया है। भारत में स्तन कैंसर और गैस्ट्रो-आंत्र कैंसर के निदान वाले रोगियों की संख्या में भी खतरनाक वृद्धि देखी गई है।

सम्मेलन के आयोजन सचिव और अहमदाबाद के एचसीजी कैंसर सेंटर में मेडिकल ऑन्कोलॉजी (जीआई सर्विसेज) के निदेशक डॉ. विराज लविंगिया ने कहा, ठचौथा गुजरात ब्रेस्ट मीट और 5वां मिड-ईयर गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल ऑन्कोलॉजी सम्मेलन मुख्य रूप से दो विषयों को कवर करता है, एक है गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल कैंसर और दूसरा है ब्रेस्ट कैंसर। सम्मेलन इन दो प्रकार के कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक शैक्षिक सम्मेलन है। इस सम्मेलन में देश भर से 200 से अधिक डॉक्टर भाग ले रहे हैं और अन्य प्रतिभागियों के साथ कैंसर के उपचार में अपने ज्ञान और अनुभव को साझा कर रहे हैं। सम्मेलन का उद्देश्य डॉक्टरों को इस कैंसर और इसके उपचार में नवीनतम विकास के साथ अद्यतन करना है, जिससे वे रोगियों को बेहतर सेवा और देखभाल प्रदान कर सकें।

चौथे गुजरात ब्रेस्ट मीट के आयोजन अध्यक्ष और एचसीजी कैंसर सेंटर के निदेशक डॉ. डीजी विजय ने कहा, सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं. चौथे गुजरात ब्रेस्ट मीट के हिस्से के रूप में, शनिवार को सम्मेलन के पहले दिन युवा रोगियों में स्तन कैंसर के प्रबंधन की चुनौतियों, स्तन कैंसर सर्जरी में नवीनतम प्रगति और जोखिम कम करने की रणनीतियों पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

निसान इंडिया ने की सीनियर मैनेजमेंट में नई नियुक्तियों की घोषणा

गुड़गांव, भारत (3 सितंबर 2022)- निसान इंडिया ने अपने मैनेजमेंट ढांचे को और मज़बूत बनाने के लिए सीनियर मैनेजमेंट में नई नियुक्तियों की घोषणा की है। नेतृत्व में किए गए ये बदलाव 1 सितंबर 2022 से प्रभावी होंगे।

अभी जनरल मैनेजर, ज़ोनल हेड(साउथ व वेस्ट) पद संभाल रहे अमित मागू को निसान मोटर इंडिया का डायरेक्टर सेल्स नियुक्त किया गया है। वह निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर राकेश श्रीवास्तव को रिपोर्ट करेंगे और गुड़गांव, भारत में रहेंगे। अपनी नई भूमिका में अमित बिज़नेस ऑपरेशंस का नेतृत्व करने के लिए ज़िम्मेदार होंगे। निसान इंडिया के रीजनल सेल्स मैनेजर्स अमित मागू को रिपोर्ट करेंगे। अभी जनरल मैनेजर, ज़ोनल हेड (नॉर्थ व ईस्ट) पद पर कार्यरत आशीष आनंद को निसान मोटर इंडिया का डायरेक्टर डीलर नेटवर्क डेवलपमेंट, कस्टमर क्वॉलिटी व ट्रेनिंग नियुक्त किया गया है। वह निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर राकेश श्रीवास्तव को रिपोर्ट करेंगे और गुड़गांव, भारत में रहेंगे। नए ढांचे में डीलर डेवलपमेंट, कस्टमर क्वॉलिटी व ट्रेनिंग लीड्स आशीष को रिपोर्ट करेंगे।

दोनों अधिकारियों की नियुक्ति पर निसान मोटर इंडिया के एमडी राकेश श्रीवास्तव ने कहा, ''निसान इंडिया की बदलाव व विकास की रणनीति के तहत वरिष्ठ नेतृत्व पदों पर अमित और आशीष की नियुक्ति की घोषणा करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। अमित और आशीष के पास निसान में विभिन्न भूमिकाओं में कई साल तक काम करने का बेहतरीन अनुभव है।

एशियन हेड एंड नेक कैंसर फाउंडेशन द्वारा आयोजित की जाने वाली डेंटल ऑन्कोलॉजी एंड रिसर्च पर पहली अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस

रोगी, कैंसर सर्जन और मौखिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच की खाई को पाटना

अहमदाबाद, 3 सितंबर, 2022: द एशियन हेड एंड नेक कैंसर फाउंडेशन द्वारा डेंटल ऑन्कोलॉजी एंड रिसर्च पर पहली अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विश्व प्रसिद्ध डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा पेशेवरों को एक छत के नीचे लाया जाएगा। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मौखिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और पेशेवरों के प्रमुख मुद्दों को उजागर करना है, जो मुंह के कैंसर की रोकथाम, जल्दी पता लगाने और उपचार के बारे में जागरूकता फैलाएंगे।

डॉ. आयोजन सचिव शक्ति सिंह देवड़ा कहते हैं, ''मुंह का कैंसर सबसे ज्यादा खतरनाक होता है और इसीलिए इसे लाइलाज माना जाता है. हालांकि, इससे डरने की जरूरत है, क्योंकि भारत में सभी कैंसर में से 30 प्रतिशत अकेले मुंह के कैंसर हैं। इस सम्मेलन के साथ, हमारा लक्ष्य नियमित जांच, शीघ्र निदानऔर प्रभावी जांच के बारे में जागरूकता फैलाकर हम इस मिथक को दूर कर सकते हैं कि मुंह का कैंसर घातक है।ठ

डॉ। म्यूकोर्मिकोसिस रिहैबिलिटेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया की अध्यक्ष किरण पटेला, नियमित जांच के बारे में शीघ्र निदान और जागरूकता के महत्व के बारे में बात करते हुए कहती हैं, ठहम देख रहे हैं कि जो लोग तंबाकू और अन्य कैफीनयुक्त पदार्थों का सेवन करते हैं, उनमें बीमारी विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है और जब इसके द्वारा जिस समय वे अपने दंत चिकित्सक से परामर्श करने जाते हैं, वे एक गंभीर स्थिति में प्रवेश करने वाले होते हैं या, यह पहले ही प्रवेश कर चुका है, इसलिए आम आदमी के लिए नियमित दंत परीक्षण की आदत विकसित करना बहुत महत्वपूर्ण और आवश्यक हो जाता है। जो उन्हें अप्रत्याशित परेशानी से बचा सकता है और उन्हें खुशहाल जीवन जीने में मदद कर सकता है।

डॉ। आयोजन सह-सचिव नताशा लालवानी के अनुसार, ठयह एक अलग तरह का सम्मेलन है, जो भारत में पहली बार आयोजित किया जा रहा है, हम मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर, न्यूयॉर्क (यूएसए) से प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं और प्रमुख स्वास्थ्य पेशेवरों को भी लाए हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95